twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 01 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 174, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मॉस्कों में विक्ट्री डे परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

मॉस्को में 9 मई को होने वाली विक्ट्री डे परेड में भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। प्रधानमंत्री को इस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिला था लेकिन वे इसमें शामिल नहीं होंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रूस की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था लेकिन पहले ही रूसी पक्ष को सूचित कर दिया गया था कि भारत की ओर से रक्षा मंत्री इस समारोह में हिस्सा लेंगे। इसी बीच रूस के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी विक्ट्री डे परेड में शामिल नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि विक्ट्री डे परेड द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की स्मृति में हर साल 9 मई को आयोजित की जाती है। यह कार्यक्रम रूस के लिए सैन्य गौरव और इतिहास का प्रतीक माना जाता है, जिसमें कई देशों के नेता और प्रतिनिधि आमंत्रित किए जाते हैं।

देश और राज्यों में राजनीतिक स्थिरता जरूरी: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान बुधवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र एवं दुनिया की महाशक्ति बनना है तो देश एवं राज्यों में राजनीतिक स्थिरता जरूरी है। प्रधान दिल्ली विश्वविद्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव दौड़ के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौड़ का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय ने रग्बी स्टेडियम से किया था। यह दौड़ डीयू रग्बी स्टेडियम से शुरू होकर गेट नंबर 2 से होते हुए छात्रा मार्ग से गुजरी और डीयू परिसर का चक्कर लगते हुए स्टेडियम में आकार सम्पन्न हुई। शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि डीयू का इतिहास रहा है कि देश में किसी भी नई चीज की परिकल्पन होती है या तो वह डीयू के कैम्पस से निकलती है या फिर उसके इम्प्लीमेंटेशन में डीयू सबसे अग्रणी रहता है। आजादी के बाद 60 के दशक तक भारत में एक साथ ही चुनाव होते थे। पिछले 50 साल से यह शेड्यूल बिगड़ा हुआ है। बार-बार चुनाव से समय और राजस्व की हानि होती है।

जनगणना में जातिगत गणना भी होगी शामिल

कैबिनेट ने दी मंजूरी, देश में आजादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना होगी

नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का अहम फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक विषयों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज इसे मंजूरी प्रदान की। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय सामाजिक संतुलन, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए लिया है। हमारा मानना है कि इस कदम से समाज आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होगा। वैष्णव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जातिगत जनगणना को राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 246 की केन्द्रीय सूची की क्रम संख्या 69 के तहत जनगणना केंद्र का विषय है। फिर भी कई राज्यों ने जातिगत गणना कराई है। इनमें से कुछ ने पारदर्शिता बरती जबकि अन्य ने इसे राजनीति का माध्यम बना दिया, जिससे समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। मंत्री ने अपने बयान में कहा कि आजादी के बाद से अब तक सभी जनगणनाओं में जातिगत आंकड़े शामिल नहीं किए गए। कांग्रेस सरकारों ने बार-बार इस विचार का विरोध किया, जबकि 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में आश्वासन दिए जाने के बावजूद इसे केवल एक सर्वे के रूप में सीमित रखा गया। उस समय कैबिनेट में मंत्रिमंडलीय समूह का गठन किया गया था। समूह को कई दलों ने जातिगत गणना पर अपना समर्थन जाहिर किया था। फिर भी इसे जनगणना में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सरकार ने पहले भी सामाजिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था।

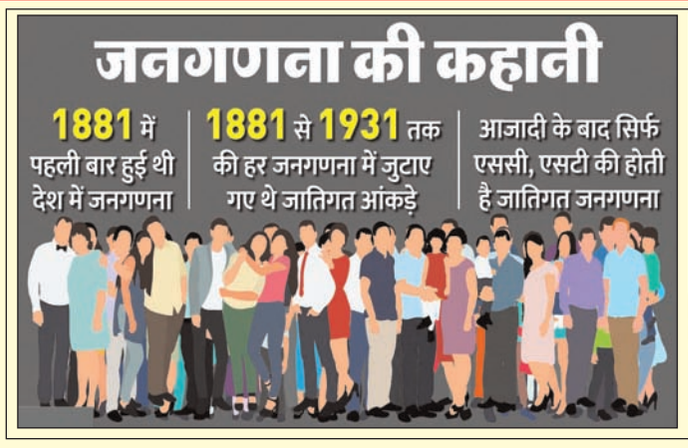

पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता: शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत का विकास नरेंद्र मोदी सरकार की हमेशा से शीर्ष प्राथमिकता रही है। यह बयान उन्होंने उस समय दिया जब कुछ घंटे पहले केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्वोत्तर में 166.8 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मेघालय के मॉलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक 4-लेन वाले ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई। यह परियोजना हाइब्रिड मॉडल के तहत 22,864 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होगी।

शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की हमेशा से प्राथमिकता रही है। मेघालय से असम तक के इस राष्ट्रीय राजमार्ग की मंजूरी के लिए पूर्वोत्तर के भाइयों-बहनों को बधाई।

उन्होंने कहा कि यह राजमार्ग 'भारत की अष्टलक्ष्मी' (यानी पूर्वोत्तर के आठ राज्यों) के लिए तेज विकास की नई राह खोलेगा और यात्रा को सुरक्षित व आसान बनाएगा। शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए धन्यवाद दिया।

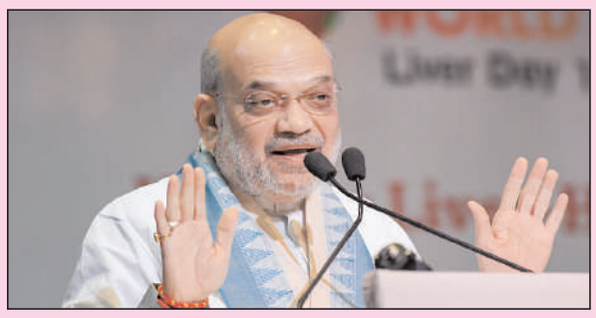

गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 355 रुपये प्रति क्विंटल तय

नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने 2025-26 के पेराई सीजन (अक्टूबर से सितंबर) के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 355 रुपये प्रति क्विंटल तय करने को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने इसे मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सरकार के अनुसार गन्ने की उत्पादन लागत 173 रुपये प्रति क्विंटल है। ऐसे में 355 रुपये की एफआरपी उत्पादन लागत से 105.2 प्रतिशत अधिक है। साथ ही यह दर वर्तमान सत्र 2024-25 की तुलना में 4.41 प्रतिशत अधिक है। यह दर 10.25 प्रतिशत की मूल रिकवरी दर पर लागू होगी। रिकवरी दर में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि पर 3.46 रुपये प्रति क्विंटल की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जबकि रिकवरी में 0.1 प्रतिशत की कमी पर 3.46 की कटौती की जाएगी। हालांकि रिकवरी दर 9.5 प्रतिशत से कम होने पर किसानों को 329.05 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा और कोई कटौती नहीं की जाएगी।

मेघालय और असम के बीच हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने मेघालय के मावलिंग्खुंग से असम के पंचग्राम तक 166.80 किमी लंबे ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर (एनएच-6) की मंजूरी दे दी है। परियोजना मेघालय में 144.80 किमी और असम में 22.00 किमी शामिल है।

यूएनएससी में भी पाकिस्तान को घेरने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली

एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य बलों को पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकियों पर कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है, तो दूसरी तरफ भारत ने वैश्विक समुदाय को अपनी बात समझाने की पहल भी तेज कर दी है। इस क्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सात अस्थायी सदस्यों से टेलीफोन पर बात की है। ये देश हैं गुयाना, ग्रीस, स्लोवेनिया, पनामा, सोमालिया, सिएरा लियोन और अल्जीरिया। पाकिस्तान भी अभी यूएनएससी के दस अस्थायी सदस्यों में शामिल है और आशंका है कि भारत की तरफ से आतंकियों पर किसी तरह के सैन्य कार्रवाई होने की स्थिति में वह भारत के विरुद्ध प्रस्ताव ला सकता है। कूटनीतिक मोचेर्बंदी को आगे बढ़ाते हुए जयशंकर ने बुधवार को अपने कुवैती समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याह्या के साथ भी पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या से बात करके खुशी हुई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुवैत की एकजुटता और समर्थन के लिए उनको धन्यवाद दिया।'

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, सीएम धामी ने की पीएम मोदी के नाम से पहली पूजा

उत्तरकाशी

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर बुधवार को उत्तराखण्ड के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों – गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही वर्ष 2025 की चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा संपन्न की। साथ ही देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। यह पहला अवसर था जब कोई मुख्यमंत्री यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में सशरीर शामिल हुआ हो। इस पावन अवसर पर दोनों मंदिरों के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी की गई। धार्मिक परंपराओं के अनुसार, बुधवार सुबह मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची। गंगोत्री धाम में विशेष पूजा-अभिषेक के साथ पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। वहीं मां यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची। धार्मिक विधि- विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनात्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। कपाट खुलने के अवसर पर देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किये तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन समारोहों में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मॉ गंगा एवं यमुना के मंदिरों में शीश नवाया और विशेष पूजा-अर्चना की।

प्रयागराज में हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण सेना ने कराया बंद

प्रयागराज

संगम क्षेत्र स्थित बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण बुधवार को सेना ने ठप करा दिया है। सेना के आधा दर्जन से अधिक जवानों ने दोपहर 12 बजे के आसपास मंदिर परिसर पहुंच कर कराए जा रहे कार्यों को बंद कराया है। बिना अनुमति दोबारा कॉरिडोर का निर्माण न करने का निर्देश भी जवानों की ओर से कारीगरों को दिया गया है। बताया गया कि जमीन को लेकर सेना और पीडीए के बीच हुए समझौते में हो रही देरी के कारण कार्य ठप कराया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और सेना के उच्च अधिकारियों के बीच वार्ता बेनतीजा रही। पीडीए की ओर से 32 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च करके संगम क्षेत्र में लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है।

कॉरिडोर की जद में आ रही सेना की जमीन

कॉरिडोर की जद में सेना की जमीन आ रही है, जिसके बदले में सेना को नेहरू पार्क के पास जमीन देने पर समझौता हुआ है। अभी तक पीडीए की ओर से सेना को जमीन स्थानांतरित नहीं की गई है।

महाकुंभ के पहले लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर के प्रथम फेज का निर्माण प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से लगभग पूरा किया जा चुका है। फिनिसिंग का कार्य चल रहा है बंद कराया गया है। दूसरे फेज के निर्माण में मंदिर के गर्भगृह और विशाल मंडप का निर्माण होना है। पीडीए सचिव, अजीत ने कहा लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर के निर्माण को सेना की ओर से बंद कराया गया है। सेना के उच्च अधिकारियों से वार्ता चल रही है जल्द ही आपसी सहमति से निर्माण शुरू हो जाएगा।

एसिड अटैक पीड़ितों-नेत्रहीनों के लिए केवाईसी प्रकिया हो आसान

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आज के समय में डिजिटल पहुंच को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का अंतर्निहित घटक है इसके लिए सरकार को सक्रिय रूप से समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र डिजाइन करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने विशेषकर दृष्टिबाधित और एसिड हमले के पीडितों तक इसकी पहुंच आसान बनाने के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये हैं।यह महत्वपूर्ण फैसला न्यायमूर्ति जेबी पाडीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उस मामले में दिया जिसमें एसिड अटैक पीड़ित का चेहरा हमले के कारण खराब हो गया है और आंखों गंभीर रूप से जल गईं थी। जबकि दूसरा याचिकाकर्ता पूरी तरह दृष्टिबाधित था। डिजिटल केवाईसी की प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतों का मुद्दा उठाया गया था।

और कोर्ट से डिजिटल केवाईसी, ईकेवाइसी और वीडियो केवाईसी के बारे में उचित दिशानिर्देश तय करने की मांग की गई थी।

लोकपाल के अधिकार क्षेत्र पर होगी "सुप्रीम" सुनवाई

हाई कोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायत पर लोकपाल सुनवाई कर सकता है या नहीं, इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट जुलाई में सुनवाई करेगा। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये मामला दूसरी बेंच को ट्रांसफर हो सकता है।

पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष होंगे

नई दिल्ली

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का पुनर्गठन किया है और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना है। सूत्रों के अनुसार नए सिरे से गठित सात सदस्यीय बोर्ड में सशस्त्र बलों, पुलिस और राजनयिक सेवाओं के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। नए सदस्यों में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी एयर मार्शल पीएम सिन्हा (पूर्व पश्चिमी वायु कमांडर), लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह (पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर), रियर एडमिरल मोंटी खन्ना (सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी), राजीव रंजन वर्मा (पूर्व आईपीएस अधिकारी), मनमोहन सिंह (पूर्व आईपीएस अधिकारी) और बी वेंकटेश वर्मा (सेवानिवृत्त आईएफएस) अधिकारी हैं।

ग्लोबल रैंकिंग हासिल करने की कार्ययोजना बनाए गोरखपुर विश्वविद्यालय: योगी

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपनी 75 वर्ष की शानदार यात्रा का मूल्यांकन करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय (विवि) को अब शताब्दी वर्ष अर्थात आगामी 25 वर्षों की कार्ययोजना बनानी चाहिए। इस कार्ययोजना में उन बातों का जरूर ध्यान रखना होगा जिससे हमारा विश्वविद्यालय अच्छी ग्लोबल रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान वैश्विक बना सके। सीएम योगी बुधवार अपराह्न दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हीरक जयंती वर्ष के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि एक मई 1950 को स्थापित इस विश्वविद्यालय की 75 वर्ष की यात्रा के विराम के बाद कल एक मई से अमृतकाल की यात्रा शुरू होगी। शताब्दी महोत्सव में गोरखपुर विश्वविद्यालय कहां होगा, इसकी कार्ययोजना आगामी छह माह से एक साल के भीतर बना लेनी होगी। और, फिर बिना रुके, बिना डिगे उस कार्ययोजना पर प्रयास करने की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित ही विश्वविद्यालय ने अपनी अब तक की यात्रा में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं लेकिन अब अच्छी और उल्लेखनीय ग्लोबल रैंकिंग हासिल करने की दिशा में बढ़ने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की आगामी कार्ययोजना में सरकार हर संभव सहयोग करने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 25 वर्षों की कार्ययोजना में विश्वविद्यालय को विशिष्टता के क्षेत्र में प्रयास करने चाहिए। इस दौरान ढेर सारे अवसर आएंगे। उन अवसरों को अपने अनुरूप जोड़ना और सामयिक निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के लिए प्रत्येक क्षेत्र में आगे होना संभव नहीं है। इसलिए कोई एक ऐसा क्षेत्र चुना जाना चाहिए जिसमें कुछ विशिष्टता प्राप्त हो सके और उससे नई पहचान मिल सके। सीएम योगी ने कहा कि 75 वर्ष की यात्रा विश्वविद्यालय की स्थापना और इसकी प्रगति में योगदान देने वाले विभूतियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का भी अवसर है। भारतीय ज्ञान परंपरा को संहिताबद्ध करने वाले वेद व्यास का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए गुरु पूर्णिमा पर्व की शुरूआत हुई। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि आजाद भारत का पहला विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्थापित हुआ। तब संसाधन नहीं थे, कनेक्टिविटी भी नहीं थी इसके बावजूद कुछ मानिंद लोगों ने विश्वविद्यालय की स्थापना का कार्य संभव कर दिखाया। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अपने दो डिग्री कॉलेज देने वाले महंत दिग्विजयनाथ, कल्याण के संपादक भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार, सरदार सुरेंद्र सिंह मजीठिया, तत्कालीन जिलाधिकारी सुरति नारायण मणि त्रिपाठी, मधुसूदन दास डॉ. एनके लाहिड़ी, पीसी चाको, पहले कुलपति प्रो. बीएन झा के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय को अपनी 75 वर्ष की यात्रा के दौरान हुए कार्यक्रमों को धरोहर के रूप में संजोना चाहिए।

'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के 9 वर्ष, देश में स्वच्छ ईंधन से बेहतर हुई करोड़ों जिंदगियां

एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) शुरू की थी, जिसके 9 वर्ष पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत 1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से की थी। पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन के इस्तेमाल से ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह योजना उन ग्रामीण और वंचित परिवारों के लिए एक वरदान बनी है, जो खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में जलावन, लकड़ी, कोयला, गोबर के उपलों, का इस्तेमाल करते थे।पीएमयूवाई का उद्देश्य गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना डिपॉजिट के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाना है। इस योजना के साथ केंद्र सरकार स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है। पीएमयूवाई योजना के पहले चरण में मार्च 2020 तक वंचित परिवारों को 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, इस लक्ष्य को समय से पहले ही प्राप्त कर लिया गया।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 7 सितंबर 2019 को 8 करोड़वां एलपीजी कनेक्शन सुपुर्द किया।

शेष गरीब परिवारों तक इस योजना के जरिए मदद पहुंचाने के लिए सरकार ने अगस्त 2021 में दूसरा चरण 'उज्ज्वला 2.0' लॉन्च किया था। योजना के दूसरे चरण 'उज्ज्वला 2.0' में प्रवासी परिवारों को विशेष सुविधा के साथ पीएमयूवाई योजना के तहत 1.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन के अतिरिक्त आवंटन का लक्ष्य रखा गया। 'उज्ज्वला 2.0' के तहत कनेक्शन की लक्ष्य संख्या दिसंबर 2022 के दौरान हासिल की गई, इस प्रकार योजना के तहत कुल कनेक्शन 9.6 करोड़ हो गए। इसके अलावा, भारत सरकार ने पीएमयूवाई योजना के तहत अतिरिक्त 75 लाख कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी है, जिससे योजना के तहत कुल लक्ष्य अब 10.35 करोड़ हो गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 1 मार्च तक पूरे भारत में 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन मौजूद हैं। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2022 तक जारी किए गए 8.99 करोड़ कनेक्शनों में से 8.34 करोड़ लाभार्थियों ने अप्रैल 2022 और मार्च 2024 के बीच पिछले दो वित्त वर्ष के दौरान कम से कम एक रिफिल का लाभ उठाया है।

बड़ा बाजार अग्निकांडः होटल में रखा गया था ज्वलनशील पदार्थः ममता बनर्जी

एजेंसी

कलकाता । कोलकाता के बड़ा बाजार स्थित मछुआ फलपट्टी इलाके में एक होटल में लगी भीषण आग में 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे बेहद दुखद बताते हुए शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख तथा घायलों को 50 हजार रुपये की मुआवजे की भी घोषणा की । उन्होंने कहा कि जिस होटल में आग लगी, वहां बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ जमा था, जिससे आग तेजी से फैली। मुख्यमंत्री इन दिनों अक्षय तृतीया के अवसर पर दीघा में हैं, लेकिन उन्होंने घटना के बाद से ही स्थिति पर लगातार नजर रखी। बुधवार सुबह उन्होंने कहा कि होटल में रखे गए ज्वलनशील पदार्थों के कारण ही यह त्रासदी घटी। मैंने इस पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस और दमकल विभाग की तत्परता से 99 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिसमें स्थानीय लोगों की भी अहम भूमिका रही। उधर तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी इस हादसे पर शोक जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने बताया कि घटना की गहराई से जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जिसकी अगुवाई डीसी सेंट्रल कर रहे हैं। 11 सदस्यीय टीम ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही बुधवार को फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच करेगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आग कैसे लगी। किन कारणों से समय रहते लोगों को बाहर नहीं निकाला जा सका और क्या होटल प्रबंधन की ओर से कोई लापरवाही हुई थी।

नवी मुंबई में ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश, कस्टम अधिकारी समेत 10 गिरफ्तार

मुंबई। नवी मुंबई पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़े ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए दो पुलिसकर्मियों, एक कस्टम अधिकारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी के पास से 73 लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री और अन्य संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने विदेश में बसे चिखर भाई का इस सिंडिकेट के पीछे हाथ होने की आशंका जताई है। नवी मुंबई के क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त अमित काले ने बुधवार को बताया कि 14 अप्रैल को एक गुप्त सूचना के आधार पर नेरुल पुलिस स्टेशन की टीम ने आशीष गवरे (22) और अहमद आल्गी(23) को 2.76 लाख रुपये मूल्य की 17.19 ग्राम ड्रग के साथ गिरफ्तार किया था। इन दोनों से पूछताछ के बाद 28 वर्षीय सुजीत बंगेरा की गिरफ्तारी हुई। बंगेरा अमेरिका या थाईलैंड से ड्रग्स मंगवाता था। कस्टम अधिकारी प्रशांत गौर की मदद से इस पार्सल को एयरपोर्ट पर मंजूरी मिल जाती थी। इसलिए बंगेरा की निशानदेही पर पुलिस ने कस्टम अधिकारी प्रशांत गौर को भी गिरफ्तार कर लिया। इन सभी से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि 56 वर्षीय कमल चांदवानी विदेश से आए ड्रग पार्सल को रिसीव कर सुजीत बंगेरा को सौंपता था। इसलिए पुलिस ने कमल चांदवानी को भी गिरफ्तार कर लिया।

गंगोत्री के साथ यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुले

उत्तरकाशी। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर बुधवार सुबह 10:30 बजे गंगोत्री धाम के कपाट विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस शुभ अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रथम पूजा अर्चना कर मां गंगा से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंडवासियों के लिए यह पर्व किसी उत्सव से कम नहीं है। उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा में सम्मिलित होने का आमंत्रण देते हुए बताया कि यात्रा को सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार की सभी तैयारियां पूर्ण हैं। इस मौके पर तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवी की भोग मूर्ति (चल विग्रह) को गर्भगृह में स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से धाम में पहली पूजा संपन्न कराई गई। कपाट खुलते ही गंगोत्री धाम हर-हर गंगे के जयकारों से गूंज उठा और मंदिर प्रांगण में फूलों की वर्षा की गई। धाम में उपस्थित तीर्थ यात्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने मुख्यमंत्री धामी के समक्ष झांगला मोटर मार्ग निर्माण की मांग भी रखी। चारधाम यात्रा की शुरुआत पर गंगोत्री के साथ यमुनोत्री धाम के भी कपाट तय मुहूर्त पर खोले गए। सुबह 11:55 पर यमुना माई के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए, जहां देवी यमुना की डोली खरसाली गांव से धाम पहुंची थी। चारधाम यात्रा की परंपरा वामावर्ती क्रम में होती है, जिसमें यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ शामिल हैं।गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, विधायक सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल, अपर जिलाधिकारी पी.एल. शाह, डुंडा के उपजिलाधिकारी देवानंद शर्मा, भटवाड़ी की उपजिलाधिकारी सालनी अग्रवाल, रावल रवीन्द्र सेमवाल व संजीव सेमवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, एनएसए बोर्ड का पुनर्गठन, पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी बने अध्यक्ष

आलोक जोशी को देश की सुरक्षा से जुड़े मामलों की गहरी समझ और जानकारी है।

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। इसी बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है। पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इस बोर्ड की कमान सौंपी गई है।

आलोक जोशी को देश की सुरक्षा से जुड़े मामलों की गहरी समझ और जानकारी है। उन्होंने 2012 से 2014 तक रॉ के प्रमुख के रूप में कार्य किया था। इसके बाद 2015 से 2018 तक एनटीआरओ के चेयरमैन के रूप में भी सेवा दी। उन्होंने पाकिस्तान और नेपाल में कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन्स को अंजाम देने में अहम भूमिका भी निभाई है। इसके अलावा बोर्ड में 7 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिसमें तीन सेना से रिटायर अधिकारी, दो रिटायर आईपीएस अधिकारी और एक भारतीय विदेश सेवा से रिटायर अधिकारी हैं।इसमें वेस्टर्न एयर कमान के पूर्व चीफ एयर मार्शल पीएम सिन्हा, सदर्न आर्मी कमान के पूर्व चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रिटायर रियर एडमिरल मॉन्टी सन्ना

को सदस्य नियुक्त किया गया है। वहीं, भारतीय पुलिस सेवा से रिटायर राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह को भी इस बोर्ड में शामिल किया गया है। इसके साथ ही विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी बी. वेंकटेश वर्मा को भी इसका सदस्य बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को उनके आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार, दोपहर 3 बजे एक प्रेस ब्रीफिंग होगी, जिसमें सीसीएस की बैठक में लिए गए बड़े फैसलों की घोषणा की संभावना है।

यह महत्वपूर्ण बैठक 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा स्थिति और भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। राष्ट्रीय सुरक्षा पर निर्णय लेने वाली शीर्ष समिति की बैठक प्रधानमंत्री के आवास पर दूसरी बार बुलाई गई थी। सीसीएस की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल थे। इस बैठक के बाद राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीपीए) और आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) की बैठकें हुईं। सरकार दोपहर 3 बजे मीडिया से मुलाकात करेगी।

पाकिस्तानी ने की नौशेरा, सुंदरबनी, बारामूला और अखनूर में फायरिंग, सेना ने दिया त्वरित जवाब

पाकिस्तानी सेना द्वारा यह फायरिंग बिना किसी उकसावे के की गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पर बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है। 29-30 अप्रैल की रात को भी पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए नियंत्रण रेखा के उस पार से भारतीय इलाकों में गोलीबारी की है। भारतीय सेना के मुताबिक 29-30 अप्रैल की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के सामने नियंत्रण रेखा के पार से फायरिंग की। पाकिस्तानी सेना द्वारा यह फायरिंग बिना किसी उकसावे के की गई है। फायरिंग के लिए छोटे हथियारों का इस्तेमाल किया गया। भारतीय सेना के जवानों ने बिना देरी किए तेजी से इस फायरिंग का जवाब दिया। गौरतलब है कि पाकिस्तान की सैन्य चौकियों से पिछले 6 दिनों से

फायरिंग की जा रही है। नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के अलावा पाकिस्तानी सेना ने कई अन्य स्थानों पर भी गोलीबारी की है। सेना के अनुसार पाकिस्तानी सेना द्वारा 29-30 अप्रैल की रात को ही नियंत्रण रेखा के पार से बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में भी गोलीबारी की गई। पाकिस्तानी सैन्य चौकियों द्वारा परगवाल सेक्टर में भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई है। भारतीय सेना के जवानों ने इन सभी स्थानों पर पाकिस्तान को उचित व करारा जवाब दिया है। सेना के मुताबिक 28-29 अप्रैल की रात को भी पाकिस्तानी सेना ने कुपवाड़ा और बारामूला जिलों के साथ-साथ अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पार से बिना उकसावे के गोलीबारी की थी। भारतीय सेना ने इस उकसावे का तुरंत और प्रभावी जवाब दिया था। वहीं इससे पहले 27-28 अप्रैल की रात को भी पाकिस्तान की सेना ने नियंत्रण रेखा के पार से गोलाबारी की थी।

सीआईएससीई के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई और आईएससी का रिजल्ट बुधवार को घोषित कर दिया। इस बार का रिजल्ट 99 प्रतिशत से अधिक रहा है। सीआईएससीई ने छात्र-छात्राओं को सफलता पर बधाई दी है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। इस साल के रिजल्ट की खास बात यह रही है कि दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 रहा तो वहीं आईएससी (कक्षा 12वीं) में यह आंकड़ा 99.45 रहा है। सीआईएससीई ने बताया कि इस साल आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा 18 फरवरी से 27 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12 की परीक्षा 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक

आयोजित की गई थी। इसके परिणाम आधिकारिक वेबसाइट 'सीआईएससीई डॉट ओआरजी' पर जाकर देखा जा सकता है। सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के परिणाम बुधवार सुबह 11 बजे घोषित किए। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। उन्होंने कहा, 'इस बार का रिजल्ट काफी अच्छा रहा है। कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता की परंपरा को कायम रखा है। इन परिणामों से पता चलता है कि टीचर और पैरेंट्स का बच्चों की सफलता में काफी योगदान रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस साल सीआईएससीई ने कई तकनीकी और नीतिगत बदलाव किए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी। मैं सभी बच्चों को उनकी सफलता के लिए बधाई देता हूं।

पहलगाम हमले पर घिनौनी राजनीति न करे विपक्ष , देशहित में ठीक नहीं : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का सरकार से मुहंतोड़ जवाब देने के लिए जगह-जगह मांग हो रही है। इस बीच राजनीतिक दलों में भी हलचल तेज हो गई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सभी दलों से अपील की है कि इस वक्त सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना जरूरी है। इस पर कोई भी घिनौनी राजनीति नहीं होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक्स पर लिखा, 'पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी पार्टियों को एकजुट होकर सरकार का साथ देना चाहिए। ना कि इसकी आड़ में पोस्टरबाजी व बयानबाजी आदि के जरिए घिनौनी राजनीति की जानी चाहिए। इससे लोगों में भ्रम पैदा हो रहा है, जो देशहित में ठीक नहीं है।' मायावती ने सपा और कांग्रेस को चेतावनी दी है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का भी अपमान ना करें। वरना बसपा उनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है।

विपक्ष के संसद के विशेष सत्र की मांग पर सीसीपीए लेगा फैसला : मेघवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद विपक्ष लगातार सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज कहा कि आतंकी हमले के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने के मामले में ससंदीय मामलों की केंद्रीय समिति निर्णय करेगी। बुधवार को प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद के विशेष सत्र के लिए कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों की मांग पर फैसला लेगी। मेघवाल ने संवाददाताओं से कहा कि सत्र बुलाने पर सीसीपीए का जो निर्णय होगा, उस बारे में सूचित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी सहित कई विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सामूहिक संकल्प प्रस्तुत करने के लिए संसद

का सत्र बुलाने की मांग की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

भारतीय सेना के साथ खड़ा है पूरा देश : केसी त्यागी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां बरसाने वाले आतंकियों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए भारतीय सेना को पीएम मोदी की ओर से दी गई खुली छूट पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान केसी त्यागी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया। पूरा देश गुस्से में है। केंद्र सरकार से सभी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने पूरे मामले पर नजर बनाई हुई है। 29 अप्रैल पहलगाम घटना को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक हाईलेवल बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं को खुले तौर पर छूट दी है कि वह तय करे कि उन्हें कब और कैसे दुश्मनों पर प्रहार करना है। पीएम मोदी के साथ पूरा देश है। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के एक ट्वीट पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि ऑल पार्टी मीटिंग में सभी दलों के नेता ने एकजुटता का परिचय दिया था।

मोदी ने कोलकाता में आग लगने से लोगों की मौत पर जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकात के एक होटल में आग लगने और लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है तथा मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) को दो-दो लाख रुपये तथा जख्मी लोगों को 50,000-50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर कहा, कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। जख्मी लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 02-02 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जख्मी लोगों को 50,000-50,000 रुपये दिए जाएंगे। गौरतब है कि मध्य कोलकाता के बड़ाबाजार में फलपट्टी मछुआ के पास स्थित ऋतुराज होटल में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य जख्मी हुए हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर गुटेरेस ने की जयशंकर और शरीफ से बात

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ से पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर अलग-अलग बात की है और दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए सहयोग का प्रस्ताव किया है। महासचिव कार्यालय ने बुधवार को यहां बताया कि श्री गुटेरेस ने जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए

आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इन हमलों के लिए कानूनी तरीकों से न्याय और जवाबदेही तय करने के महत्व पर जोर दिया है। महासचिव ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी गहरी चिंता व्यक्त की और ऐसे टकराव से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके परिणाम दुखद हो सकते हैं। उन्होंने तनाव कम करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए अपना सहयोग देने की पेशकश की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यह बातचीत कल रात हुई।

आनंदीबेन पटेल की पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन 1 मई को करेंगे उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर 1 मई को लखनऊ आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां एक समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की लिखित पुस्तक 'चुनौतियाँ मुझे पसंद हैं' का विमोचन करेंगे इस संबंध में उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से उत्तर प्रदेश राजभवन को यह सूचना दी गई है। कार्यक्रम के लिए स्वीकृति मिलते ही राजभवन में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उपराष्ट्रपति के स्वागत में शहर के प्रमुख भवनों को सजाया जा रहा है।

रिजिजू ने दी हज यात्रा के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले सभी 1,22,518 तीर्थयात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। पहली उड़ान लखनऊ से 288 और हैदराबाद से 262 तीर्थयात्रियों के साथ रवाना हुई। अपने एक्स पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार एक सुचारू और निर्बाध हज यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध तीर्थयात्रा के लिए भी प्रार्थना की।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले आरोपी 39 कार्ड के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित फिरोज उर्फ मोनू के पास से 39 लोगों के एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपित पर इसी तरह के दर्जनों केस दर्ज हैं। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 13 अप्रैल को मानसरोवर पार्क थाने में बाबू राम ने अपने साथ एटीएम कार्ड बदलकर 60 हजार रुपए की ठगी की शिकायत दी। एसआई अमित बेनीवाल, एसआई संदीप बिश्नोई की टीम ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़ित ने बताया कि वह चंद्रलोक कॉलोनी में स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम में गया था। जहां उसक कार्ड एक शख्स ने कार्ड बदल दिया। टीम ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करके आरोपी की पहचान की। आरोपित की पहचान होने के बाद पुलिस टीम ने उसे 21 अप्रैल को नश बंदी कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने बताया कि वह अपने साथी फरमान और ओन्नू कार्ड बदलता है और ठगी करता है। फिलहाल पुलिस बाकि आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर ही है।

महिला संबंधी विषयों पर अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर महिलाओं एवं छात्राओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर एक 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 10 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित छात्रा संसद में देशभर से आए 300 से अधिक छात्रा प्रतिनिधियों द्वारा विस्तृत की गई विस्तृत चर्चा एवून संवाद के आधार पर तैयार किया गया है इस संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आत्मरक्षा, आर्थिक सहायता, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। उसी चर्चा के निष्कर्षस्वरूप यह ज्ञापन तैयार कर भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है, ताकि महिलाओं और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए नीतिगत स्तर पर प्रभावी पहल की जा सके। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, देश की छात्राएं और महिलाएं न केवल वर्तमान भारत की रीढ़ हैं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा भी निर्धारित करती हैं। शिक्षा परिसरों से लेकर समाज के हर क्षेत्र में उनकी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह 13 सूत्रीय ज्ञापन केवल मांगों की सूची नहीं, बल्कि छात्राओं की जमीनी चुनौतियों का प्रतिबिंब और उनके समाधान का ठोस खाका है। हम अपेक्षा करते हैं कि केंद्र सरकार इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र अति शीघ्र प्रभावी कदम उठाएगी।

गाजियाबाद नगर निगम ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के जरिए जल प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाई

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत गाजियाबाद (उप्र) ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड को सफलतापूर्वक जारी करके संधारणीय बुनियादी ढांचे और शहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इससे अत्याधुनिक तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) के विकास के लिए 150 करोड़ जुटाए गए हैं। आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह सिर्फ़ एक और बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो गाजियाबाद की अपने नागरिकों के लिए एक संधारणीय भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निधियों को एक उन्नत टीएसटीपी के विकास की दिशा में निर्देशित किया गया है, जो एक अत्याधुनिक सुविधा है। इसे अभूतपूर्व पैमाने पर अपशिष्ट जल का उपचार और पुनः उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड ने भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक नया अध्याय लिखा, जो शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए एक संधारणीय

मॉडल प्रदान करता है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के समर्थन से यह परियोजना सिर्फ़ एक जल उपचार सुविधा से कहीं अधिक है। यह भारत भर के भविष्य के शहरों के लिए वित्तीय अनुशासन को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ने का खाका है। इस पहल के केंद्र में तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) है, जो एक तकनीकी चमत्कार है, जो माइक्रोफिल्ट्रेशन, अल्ट्राफिल्ट्रेशन, नैनोफिल्ट्रेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) सहित उन्नत मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीकों का उपयोग करता है। ये अत्याधुनिक तकनीकें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करती हैं कि उपचारित पानी उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे यह औद्योगिक प्रक्रियाओं में पुनः उपयोग के लिए उपयुक्त हो जाता है। 40 एमएलडी की उपचार क्षमता के साथ टीएसटीपी एक विशाल 95 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो गाजियाबाद में 1,400 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को उपचारित पानी पहुंचाता है। यह प्लांट सुनिश्चित करता है कि अपशिष्ट जल अब बर्बाद न हो, बल्कि इसके बजाय एक मूल्यवान संसाधन में बदल जाए, जो शहर के औद्योगिक क्षेत्र का समर्थन करता है। इससे मीठे पानी के स्रोतों पर निर्भरता कम होती है। टीएसटीपी को पब्लिक-प्राइवेट हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत विकसित किया गया था, जिसमें 40त्न नगरपालिका निधि थी। इस सार्वजनिक-निजी भागीदारी दृष्टिकोण ने वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करते हुए परियोजना के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने में मदद की। ग्रीन बॉन्ड जारी करने के माध्यम से 150 करोड़ रुपये जुटाने में गाजियाबाद नगर निगम की सफलता ने शहर के सतत दृष्टिकोण में निवेशकों के विश्वास को प्रदर्शित किया और शहरी स्थानीय निकाय में वित्तीय पारदर्शिता और अनुशासन का एक नया स्तर लाया है।

पद्म पुरस्कार विजेताओं ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2025 के 71 पद्म पुरस्कार विजेताओं ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय समर स्मारक पर निर्देशित दौरे पर पहुंचे 2025 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार विजेता वहां वीरता चक्र में भित्ति चित्रों पर दर्शाए गए युद्धों में बहादुरों की वीरता की कहानियों से अचंभित रह गए। उन्होंने स्मारक की भव्यता और वैचारिक डिजाइन की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-1 में वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए।

इनमें बिहार के दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, गायक पंकज उधास, सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख ओसामु सुजुकी और शेखर कपूर आदि प्रमुख थे। इस साल 139 व्यक्तियों का चयन पद्म पुरस्कारों के लिए किया गया था। प्रथम चरण में 71 विभूतियों को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस के विवादित पोस्ट पर भाजपा हमलावर, कहा- आतंकी हमले में पाकिस्तान का साथ दे रही कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने वाले कांग्रेस के एक्स पर विवादित पोस्ट को लेकर उस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को संकेत दे रही है कि इस आतंकी हमले में वह पाकिस्तान के साथ खड़ी है, न कि अपने देश के साथ। यह कांग्रेस द्वारा किया गया कोई मासूम पोस्ट नहीं है। यह हमारे देश की अखंडता को कमजोर करने और प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की एक भयावह, जहरीली साजिश है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ता से कहा है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा और उन्हें समर्थन देने वाले देश को उसकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। हालांकि, एक तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी दुश्मन ताकतों के साथ गठबंधन करती दिख रही है। इसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहना पूरी तरह से अनुचित नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं। भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारतीय सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वह देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके।

दिल्ली में नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, कैबिनेट ने दी फीस बिल को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने स्कूल फीस बिल को मंजूरी दी। सीएम रेखा गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खुद यह जानकारी दी। इस बिल के लागू होने के बाद दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ाने की मनमानी पर रोक लग जाएगी। पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अभिभावक मिलकर इस बात की शिकायत कर रहे थे। अब जल्द ही विधानसभा में इसे कानून की शक्ल दी जाएगी। एक अर्जेंट सत्र बुलाकर इस बिल को प्रस्तुत किया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जिन अभिभावकों ने बताया है कि हमारे बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और फीस के लिए अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है, उनकी जांच के लिए हमने अपने जिला अधिकारियों को स्कूलों में भेजा। सीएम ने कहा कि 1973 के दिल्ली स्कूल एक्ट में फीस को लेकर एक सेक्शन 17(3) है, जिसमें ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं थी कि प्राइवेट स्कूलों की फीस न बढ़े और जिसके लिए सरकार के पास क्या ताकत है और क्या प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। 1973 से लेकर आज तक इस पर कोई प्रावधान नहीं हुआ कि स्कूलों पर लगाम कैसे लगाई जाए। लेकिन आज मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक फैसला लिया है। आज हमने कैबिनेट में ड्राफ्ट बिल पास किया है, जिसमें सभी प्राइवेट स्कूलों में फीस को लेकर पूरी गाइडलाइन तय की जाएगी और इतिहास में पहली बार दिल्ली

सरकार द्वारा ऐसा बिल तैयार किया जा रहा है, जो अपने आप में फुल प्रूफ है। सीएम ने कहा कि अब माता-पिता को अपनी शिकायतों के लिए किसी के दरवाजे पर जाने या आंसू बहाने की जरूरत नहीं होगी। एक अर्जेंट सत्र बुलाकर इस बिल को प्रस्तुत किया जाएगा।

विशाखापत्तनम मंदिर हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में हुए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही मृतक और घायलों के लिए मुआवजे की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के बयान के हवाले से एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई मौतों से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लक्ष्मी

नरसिंह स्वामी मंदिर में दीवार गिरने से तीन महिलाओं समेत 8 श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया था। साथ ही उन्होंने इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा, श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के चंदनोत्सव के दौरान दीवार गिरने से श्रद्धालुओं की मौत से मैं बहुत दुखी हूं। भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से हुई इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैंने वहां के हालात के बारे में जिला कलेक्टर और एसपी से बात की है। मैंने घायलों को इलाज मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। मैं समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर रहा हूं। शुरू होने वाले वार्षिक उत्सव चंदनोत्सवम के दौरान दर्शन के लिए टिकट खरीदने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर दीवार गिर गई। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा अन्य विभागों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से आठ शवों को निकाला गया और किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया। मृतकों में पांच पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इसके अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने श्रद्धालुओं की दुखद मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया।

पहलगाम हमले के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र में आआपा ने निकाला कैंडल मार्च

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ एकजुटता दिखाने के उद्देश्य से आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कैंडल मार्च निकाला। इस कैंडल मार्च में पार्टी के विधायक, विधायक प्रत्याशी, पार्षद, विधानसभा अध्यक्ष समेत सभी नेता अपनी-अपनी विधानसभा में शामिल शामिल हुए। साथ ही, आआपा की अपील पर बड़ी तादात में स्थानीय लोगों ने भी कैंडल मार्च में शामिल होकर भारत माता की एकता और अखंडता का प्रण लिया और मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि दी।आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज पूरा देश केंद्र सरकार के फैसले के साथ खड़ा है और चाहता है कि केंद्र सरकार आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में करारा जवाब दे।आआपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मार्केट, मेन मंडावली रोड, वेस्ट विनोद नगर, पटपड़गंज कैंडल मार्च निकाला और देश के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। इसी तरह, पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुविंदर शोकीन और वार्ड 45 से पार्षद संतोष पप्पू चिलवाल ने नांगलोई के ज्वालापुरी में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ कैंडल मार्च निकाल कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और देश की एकता और अखंडता का प्रण लिया। इसके अलावा, वजीरपुर विधानसभा में बाबा रामदेव मंदिर, नियर गुरुद्वारा से डी व सी-ब्लॉक होते हुए बी-ब्लॉक सब्जी मंडी व बाल्मिकी मंदिर ए से एल ब्लॉक जेजे कॉलोनी तक कैंडल मार्च किया गया।

भोपाल दुष्कर्म मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने गठित की जांच समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भोपाल के एक कॉलेज में छात्राओं के साथ दुष्कर्म मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति 03 से 05 मई तक भोपाल का दौरा करेगी और मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आयोग को सौंपेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पत्रकारों को बताया कि घटना का स्वतः संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कारवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। जांच समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत आईपीएस अधिकारी निर्मल कौर करेंगी। समिति के अन्य सदस्यों में जबलपुर हाई कोर्ट की अधिवक्ता निर्मला नायक और आयोग के अवर सचिव आशुतोष पांडेय शामिल हैं। रहाटकर ने बताया कि जांच समिति घटना से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए संबंधित अधिकारियों, पीड़ित छात्राओं, उनके परिजनों और अन्य संबन्धित लोगों से मुलाकात करेगी। उल्लेखनीय है कि भोपाल के एक कॉलेज में कुछ छात्रों ने अपनी पहचान छिपाकर कई छात्राओं को अपने झूठे प्रेम में फंसाया। इसके बाद

सभी पक्षों से बातचीत के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देगी। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि पीड़िताओं को न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। दुष्कर्म का मामला सामने आया। आरोपितों ने दुष्कर्म का वीडियो बनाकर पीड़ित छात्राओं को ब्लैकमेल किया। आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। कुछ आरोपित गिरफ्तार भी किए गए हैं।

दिल्ली की सीएम ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के गिनाए फायदे, बोलीं- पैसा बचेगा, विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की तरफ से आयोजित 'वन नेशन, वन इलेक्शन मेगा रन' को हरी झंडी दिखाई। इस मेगा रन में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लेकर 'एक देश, एक चुनाव' की अहमियत बताने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए 'एक देश, एक चुनाव' के फायदे बताए। साथ ही, इस मेगा रन में हिस्सा लेने वाले छात्रों के प्रति अपना आभार भी प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा, बार-बार चुनाव होने से देश के संसाधनों की क्षति होती है। समय जाया होता है, लोगों की ऊर्जा जाती है। अगर हम एक ही बार में सभी चुनाव करा लेंगे, तो निश्चित तौर पर इस ऊर्जा को बचाकर इसका उपयोग किसी और काम में कर सकेंगे, जिससे देश के विकास की नई गति मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, देश में बार-बार चुनाव होने से लाखों करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, जिससे देश और राज्य का विकास रुक जाता है। आप कल्पना कीजिए, अगर हम एक ही बार में सभी चुनाव संपन्न कराने की प्रक्रिया स्थापित कर लेंगे, तो कितना पैसा बचा लेंगे। इससे हमें अपने देश के विकास की गति तेज करने में मदद मिलेगी, जो न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, चुनाव के समय में आचार संहिता लग जाती है, जिससे विकास की गति थम जाती है। पूरी शासन व्यवस्था चुनाव संपन्न कराने में लग जाती है। सभी का ध्यान सिर्फ चुनाव पर ही होता है। इससे विकास कार्यों की अनदेखी होती है। जनता पर भी हम बार-बार मतदान करने की जिम्मेदारी छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, आमतौर पर चुनाव के दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग चुनाव से संबंधित कार्यों को संपन्न कराने में लग जाते हैं। इससे दूसरे काम प्रभावित होते हैं। वहीं, नेता चुनाव लड़ने में लग जाते हैं। मैं बार-बार यही कहती हूं कि अगर जनता को जमीन पर होना चाहिए।

महाराष्ट्र के लोनावाला में आयोजित होगा राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण

एजेंसी

नई दिल्ली। पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण महाराष्ट्र के लोनावाला में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में समग्र, सुलभ और समावेशी स्वास्थ्य सेवा के लिए एक रोडमैपतैयार किया जाएगा। आयुष मंत्रालय द्वारा लोनावाला के कैवल्यधाम में 1-2 मई को राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम भारत में आयुष-आधारित स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा। आयुष मंत्रालय ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से आयुष विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाकर पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करने का काम किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव करेंगे जबकि राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री और भारत के नौ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्री के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। आयुष

मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन में पूर्ण सत्र, नीति गोलमेज बैठकें, तकनीकी सेशन के अलावा आयुष क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं, राज्य की सफलता की कहानियों और तकनीक-आधारित नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव के बारे में आयुष मंत्री प्रतापराव जाधन ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव देश भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य एक मजबूत और एकीकृत आयुष ढांचे के माध्यम से सभी के लिए समग्र स्वास्थ्य के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है। राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में नवीनतम विकास, अनुसंधान नवाचारों और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम कर रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने आशा होम्स में समर एक्शन प्लान को लेकर की समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। । समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने आशा होम्स में समर एक्शन प्लान को लेकर समाज कल्याण और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मानसिक दिव्यांगों के लिए बने दिल्ली के सभी आशा होम्स में समर एक्शन प्लान के तहत गर्मी से बचाव, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी सुविधाओं के किये गये इंतजामों पर चर्चा की। उन्होंने रोहिणी, नरेला, हरि नगर और तिमारपुर में बने होम्स में रह रहे मानसिक दिव्यांगों के लिए एसी, डेजर्ट कूलर, रूम कूलर, पँखों की उपलब्धता, ठंडे और शुद्ध पेयजल के लिए वाटर कूलर और आरओ की स्थिति जानी। साथ ही

टॉयलेट्स और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आदेश हैं कि आशा होम्स में सुविधाओं में कोई लापरवाही न हो। उनके गर्मी से बचाव, भोजन व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग करें। समाज कल्याण मंत्री ने दिव्यांगों को हीट एक्सपोजर से बचाने के लिए सभी आवश्यक इंतजामों के निर्देश दिए। तेज धूप से बचाने के साथ उन्होंने गर्मियों के हिसाब से भोजन में फ्रेश सलाद, दही, लेमन वाटर शामिल करने की बात कही। अधिकारियों ने गर्मी से राहत के लिए बिल्डिंग मेंटेनेंस, शेड निर्माण और वाटर स्प्रिंगक्लिंग की जानकारी दी।

संपादक की कलम से

उनके राष्ट्रवाद का उबाल!

पहलगाम आतंकवादी हमले से भारत में सत्तारूढ़ दलों का राष्ट्रवाद का लावा फूट-फूटकर बाहर आ रहा है और वे दूसरों के राष्ट्रवाद और देशभक्ति पर सवाल उठाने लगे हैं। इसके लिए एक मुहावरा है चोर की दाढ़ी में तिनका। भाजपा जैसी पार्टियों की स्थिति बिल्कुल वैसी ही हो गई है। दाऊद इब्राहिम, इकबाल मिर्ची जैसे लोगों के साथ व्यापार करनेवालों को और उन्हें अपनी पार्टी में जगह देनेवालों की जुबां पर राष्ट्रवाद जैसे लफ्ज शोभा नहीं देते। उनकी देशभक्ति तब तक उबाल नहीं मारती जब तक पाकिस्तान हमला करके हमारे पांच-पच्चीस हिंदुओं को मार न दे। उरी, पठानकोट, पुलवामा और अब पहलगाम हमला इसका ज्वलंत उदाहरण है। जब ये हमले हुए और हमारे सैनिक और नागरिक मारे गए तो दुश्मन को सबक सिखाने की बात की गई। वे दस साल से सत्ता में हैं तो इन दस वर्षों में उन्होंने दुश्मनों को निपटाने के लिए क्या किया? और अब भी यह ध्यान रखने की बात है कि भाजपा की लफ्फाज फौज सीमा पर जाकर पाकियों से बदला लेने की बहादुरी नहीं दिखाएगी। पिचकी हुई जांघों पर ताल ठोकते हुए रोज कहा जा रहा है कि हम पहलगाम का बदला लेंगे। यह कहना बड़ा आसान है कि सिंधु नदी का पानी रोक देने से पाकिस्तान जल बिना तड़प कर मर जाएगा, लेकिन यह जल बम इतनी आसानी से नहीं गिराया जा सकता और सिंधु का पानी रोकने के लिए बड़े बांध बनाने होंगे, लेकिन लोगों को मूर्ख बनाना है और मूर्ख बनाते रहना है। यह अफवाह भी उड़ी कि वे पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलेंगे, लेकिन जब दो महीने पहले दुबई में वर्ल्ड कप हुआ, तब जय शाह, महाराष्ट्र से मिंधे के बेटे, अन्य मंत्रियों के बेटे, भाजपा नेता दुबई के शेखों के बगल में बैठकर और पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बगल बिठाकर
पाक-भारत क्रिकेट
मैच में राष्ट्रवाद पर चार चांद लगा रहे थे क्या देश ने यह नहीं देखा? शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे द्वारा भारत-पाकिस्तान क्रिकेट नहीं होगा, न ही होने दिया जाएगा ऐसी चेतावनी देते ही पाकिस्तानियों की हालत खराब हो गई थी। तुम कश्मीर में हमारे हिंदुओं की हत्या करोगे और भारत हत्या करनेवालों के साथ क्रिकेट खेलते रहेगा, यह ढोंग नहीं चलेगा उस वक्त शिवसेनाप्रमुख की भूमिका ऐसी थी। हालांकि, भाजपा परिवार बालासाहेब को मनाने के लिए मुंबई पहुंच गया। साहेब, धर्म और खेल को राजनीति में मत लाइए। राजनयिक संबंध बनाए रखने पड़ते हैं। सबर रखिए, इस तरह की वकालत करनेवाले आज पाकिस्तान की दिल्ली स्थित एंबेसी बंद कर रहे हैं और उनके साथ क्रिकेट न खेलने के लिए कह रहे हैं। जय शाह फिलहाल दुबई में रहते हैं। उनकी तरह कई देशभक्त भाजपाइयों के बच्चे व्यापार करने और भारत से लूट का पैसा उड़ाने के लिए दुबई, सिंगापुर, मॉरीशस में हैं और वहां से कश्मीर में हमले का विरोध कर रहे हैं। कह रहे हैं पाकिस्तान को सबक सिखाओ। हे महान देशभक्तों, यदि इतनी ही देशभक्ति उमड़ रही थी तो वे अपनी मातृभूमि छोड़कर विदेश क्यों चले गए? जैसे वीर सावरकर का हृदय मातृभूमि के लिए तड़पता था, क्या आपका हृदय केवल तभी तड़पता है या केवल तभी लालायित होता है जब भारत पर हमला होता है? क्या भारत के बेटों को देश के लिए मरना चाहिए और भाजपा के बेटों को विदेश में सुखी और सुरक्षित जीवन जीना चाहिए? हमारी भारत सरकार से राष्ट्र प्रेम की मांग है। यदि राष्ट्रभक्ति का जलजला इतना ही उफान मार रहा है, भाजपा और संघ परिवार के जिन शूरवीरों की बाहें और कलाइयां आज फड़क रही हैं और वे
युद्ध करो का स्यापा
कर रहे हैं, उनमें से कितने लोगों की पत्नियां विदेशी हैं? कितने लोगों के बच्चे रोजगार-व्यवसाय के लिए विदेश में स्थाई रूप से बस गए हैं? कितने लोगों ने विदेश में संपत्ति अर्जित की है? इसकी फेहरिस्त जारी करें। इतना ही नहीं, यह कानून बना दें कि जिनके बच्चे विदेश में हैं और जिनकी पत्नी विदेशी हैं, उन्हें भारत में सत्ता का कोई पद नहीं मिलेगा। इन सभी लड़कों को विदेश से बुलाकर जबरन सैन्य प्रशिक्षण देकर सीमा पर भेज दें। तब उन्हें पता चलेगा, देशभक्ति सिर्फ शब्दों के बुलबुले नहीं हैं। वर्तमान में भाजपा काल में देशभक्ति का जो दिखावा बढ़ा है, उससे देश में राष्ट्रवाद की बुनियाद ढह गई है। राष्ट्रवाद के नाम पर देश में कई सेना और संगठन स्थापित हो गए हैं और वे धर्म के नाम पर डर पैष्ठला रहे हैं। इन वीरों को भी अर्जुन पुत्र अभिमन्यु की तरह शत्रु से लड़ने के लिए रावलपिंडी, इस्लामाबाद, लाहौर, कराची भेजना चाहिए। भारतीय सैनिक कश्मीर और सीमा पर बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें भी भारत की गंदी राजनीति में घसीटा जा रहा है। जब पुलवामा में ४० जवान शहीद हुए तब भी पाकियों से बदला नहीं लिया गया, बल्कि सिर्फ राजनीति की गई और अब पहलगाम के मामले में भी लफ्फाजी की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी देशभक्ति का गुब्बारा हैं और गृहमंत्री अमित शाह हर दिन पिघलने वाली मोम की मूर्ति हैं। उन्हें लौह पुरुष कहनेवालों से हमें चिढ़ होती है। पुलवामा और पहलगाम की घटनाओं के बाद मोदी-शाह को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। अमित शाह सबसे असफल गृहमंत्री हैं। षड्यंत्रकारी, व्यापारिक सोचवाले व्यक्ति का गृहमंत्री जैसे संवेदनशील पद पर आसीन होना, देश के लिए खतरा है और ऐसे व्यक्ति को उस पद पर नियुक्त करना राष्ट्रीय अपराध है। इस अपराध की कीमत देश चुका रहा है। कश्मीर में २६ लोगों की मौत के बाद भी देश के प्रधानमंत्री २४ घंटे के अंदर बिहार में चुनाव प्रचार में भाग लेते हैं और वहीं से पाकिस्तानियों को चेतावनी देते हैं, उनकी राष्ट्रीयता एक ढोंग है!

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

- ललित गर्ग-

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई। सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे।

सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है। एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि आप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता। वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है।

कुछ लोगों के अनुसार सम्राट अकबर सूरदास से मिलने आए थे। कहते हैं कि तानसेन ने अकबर के समक्ष सूरदास का एक पद गाया। पद के भाव से मुग्ध होकर सम्राट अकबर मथुरा जाकर सूरदास से मिले। सूरदास ने बादशाह को मना रे माधव सौं करु प्रीती गाकर सुनाया। बादशाह ने प्रसन्न होकर सूरदास को अपना यश वर्णन करने का आग्रह किया। तब निर्लिप्त सूरदास ने नाहिन रहनो मन में ठौर पद गाया। पद के अंतिम चरण सूर ऐसे दरस को ए मरत लोचन व्यास को लेकर बादशाह ने पूछा सूरदासजी आप नेत्र ज्योति से वंचित हैं, फिर आपके नेत्र दरस को कैसे प्यासे मरते हैं? सूरदासजी ने कहा, ये नेत्र भगवान को देखते हैं और उस स्वरूप का रसपान प्रतिक्षण करने पर भी अतृप्त बने रहते हैं। अकबर ने सूरदास से द्रव्य-भेंट स्वीकार करने का अनुरोध किया पर निडरतापूर्वक भेंट अस्वीकार करते हुए सूरदासजी ने कहा आज पीछे हमको कबहूं फेरि मत बुलाइयो और मोको कबहूं लिलियो मती। सूरदासजी संगीत-शास्त्र के परम ज्ञाता, काव्य नेपुण्य एवं गान-विद्या विशारद विषय में प्रतिभा सम्पन्न थे। सूरदास आशु कवि थे। उन्होंने काव्य लिखा नहीं बल्कि उनके मुखारविन्द से स्वतः श्रीकृष्ण की लीला गान करते हुए पद झड़ने लगे थे और वे पद रूप सामृत-बिन्दू की तरह एकत्र होकर सागर ही नहीं काव्य रस का महासागर बन गए, जिसे सूरसागर के नाम से जाना जाता है। महाकवि सूरदासजी का जीवन वृत स्वल्प अंश में ही ज्ञात है। उनके लिए महत्व अपनी अस्मिता का नहीं, आराध्य का था। इसलिए उनके जीवन संबंधी साक्ष्य नहीं के बराबर मिलते हैं। कुल मिलाकर संसार से विराग और ईश्वर से राग यही सूरदास की आरंभिक दौर की भक्ति का मूल आधार रहा है, जिसे उन्होंने बड़ी तल्लीनता के साथ व्यक्त किया है। सूरदास ने स्वयं को अपने ईश्वर का तुच्छ सेवक मानते हुए उनके समक्ष दैन्य प्रकट किया है। इस कारण सूरदास की भक्ति दास्य भाव की भक्ति कहलाती है, जिसमें भक्त स्वयं को अपने ईश्वर का दास मानकर उनकी सेवा और भक्ति करता है। एक प्रसंग प्रचलित है कि सूरदास जब गाऊघाट पर रहते थे तो उन्हें वहां एक दिन वल्लभाचार्य के आने का पता चला। सूरदास उचित समय पर वल्लभाचार्य से मिलने गए और उनके आदेश पर अपने रचित दो पद उन्हें गाकर भी सुनाए-हौं हरि सब पतितन कौ नायक एवं प्रभु! हौं सब पतितन कौ टीकौ। वल्लभाचार्य ने सूरदास के इन दीनतापूर्ण पदों को सुना और उन्होंने सूरदास से कहा कि-जो सूर ह्वै कै ऐसो घिघियात काहे को है? कुछ भगवत लीला वर्णन करौ। इस पर सूरदास ने वल्लभाचार्य से कहा कि- प्रभु! मुझे तो भगवान की लीलाओं का किंचित भी ज्ञान नहीं। ऐसा सुनकर वल्लभाचार्य ने सूरदास को अपने संप्रदाय में स्वीकारते हुए पुष्टिमार्ग में दीक्षित करने का निश्चय किया। उन्होंने सूरदास को श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध की बनाई हुई अपनी अनुक्रमणिका सुनाई, जिसके पश्चात सूरदास ने विनय के पदों का गान छोड़कर पुष्टिमार्गी परिपाटी के अनुसार ईश्वर की भक्ति का वर्णन करना आरंभ कर दिया। सूरदास ने ब्रजभाषा में सरल, सहज बोधगम्य भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उनकी भक्ति भावना और अधिक प्रभावशाली हो गई है। सूरदास की रचनाओं में संगीत का भी महत्वपूर्ण स्थान है, जो उनकी भक्ति भावना को और भी दिव्य, सुंदर और मधुर बनाता है। उनकी भक्ति का केंद्रबिंदु श्रीकृष्ण प्रेम है, जो उनके जीवन का सार है। सूरदास ने श्रीकृष्ण के बाल रूप का भी सुंदर वर्णन किया है और यशोदा के वात्सल्य भाव को भी अपने काव्य में दशार्या है। सूरदास ने श्रीकृष्ण के विरह में भी गहरे भाव व्यक्त किए हैं, जो उनकी भक्ति की गहराई को दशार्ते हैं। सूरदास की भक्ति विशेषताएं उनके काव्य में प्रेम, माधुर्य, सांख्य भाव, विरह, और वात्सल्य जैसे भावों का मिश्रण है। सूरदास का विरल व्यक्तित्व श्रीकृष्ण प्रेम, आत्मसमर्पण, विरह, वेदना, और व्यापकता से युक्त है। उनकी भक्ति और व्यक्तित्व ने उन्हें श्रीकृष्ण भक्ति धारा के महान कवियों में से एक बना दिया है।

राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें

देश के किसी भी दुश्मन से लड़ने का काम, चाहे वह सेना हो या आतंकवादी, सरकार और सेना का होता है। लेकिन देश की सत्ता पर काबिज भाजपा पहलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आर्तकियों के साथ लड़ने की बजाय कांग्रेस एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से लड़ रही है। देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है। लाजिमी है कि इसका लाभ दुश्मन देश को ही मिलेगा।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि उसे अपनी इस क्षुद्र लड़ाई को बाद के लिये छोड़ देनी चाहिये। फिलहाल यह देश की सामाजिक व राजनीतिक ऐका दिखाने का वक्त है, न कि यह संदेश देने का कि सियासी दलों को आपसी सिर-फुटौव्वल से लड़ने से ही फुरसत नहीं है।

लम्बे समय के बाद राहुल गांधी मंगलवार व बुधवार को अमेठी तथा रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आने के पहले दोनों जगहों पर उनके खिलाफ पोस्टर लगाये गये जिनमें उन्हें आतंकियों का साथी बताया गया तो किसी में उन्हें जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ने वाला करार दिया गया। कुछ पोस्टरों में कांग्रेस पर आतंकियों व पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया गया है। एक भाजपायी नेता ने अपनी तस्वीर के साथ इस आशय के पोस्टर लगाये कि राहुल व कांग्रेस जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ेगी तो भाजपा राष्ट्रवाद के आधार पर जोड़ेगी। भाजपा से इसलिये उम्मीद लगानी स्वाभाविक है क्योंकि केन्द्र सरकार का नेतृत्व वही करती है। इस नाते उसे इस मसले पर गम्भीर होने की जरूरत है, लेकिन जिस प्रकार से इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार हो रहा है, राहुल के साथ उसका सलूक वैसा ही गैर जिम्मेदाराना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी कुछ कुछ ऐसी ही बदसलूकी कर रही है क्योंकि सपा के साथ बड़ी तादाद में मुसलमान हैं तथा भाजपा उनके खिलाफ है।

देश के अनेक राज्यों से मुसलमानों को धमकियां देने, उनके साथ मारपीट करने, कश्मीरी छात्रों को शहर छोड़कर जाने की धमकियां देने तथा एक-दो हत्याओं से लगता है कि उग्र राष्ट्रवाद को इन सबसे संतोष नहीं मिल रहा है। सो आलोचना की तोप राहुल की तरफ मोड़ दी गयी है। जातिवाद के जरिये राहुल-कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप दरअसल उनकी जातिगत जनगणना की मांग से जुड़ा है। हालांकि बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि वह जातिगत जनगणना कराएगी। मगर अपनी बौखलाहट में राहुल पर आक्रमण करती भाजपा को भूलना नहीं चाहिये कि राहुल व कांग्रेस परिवार के दो लोगों की हत्याएं आतंकवादियों ने ही की हैं।भाजपा के जो लोग इस पोस्टर वॉर का हिस्सा हैं या उसे अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, वे इस बात को भी भूलते हैं कि विपक्षी नेताओं में सबसे पहले राहुल तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया था कि वे सरकार के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी।

मजदूरों के महत्व को दशार्ता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दशार्ने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में

अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

देश के कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है।

मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

प्लास्टिक में पाए जाने वाले केमिकल फ्थेलेट्स से बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा

आजकल प्लास्टिक का इस्तेमाल हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अंदर छुपा एक केमिकल हमारी सेहत के लिए जानलेवा हो सकता है?हाल ही में आई एक रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि प्लास्टिक में इस्तेमाल होने वाला एक खास रसायन फ्थेलेट्स दुनियाभर में दिल की बीमारियों से होने वाली 13% मौतों के लिए जिम्मेदार है.

फ्थेलेट्स एक तरह का केमिकल है जिसे प्लास्टिक को मुलायम और लचीला बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. यह आमतौर पर खाने के डिब्बों, बोतलों, बच्चों के खिलौनों और घर के कई अन्य प्लास्टिक सामानों में पाया जाता है. यह केमिकल धीरे-धीरे टूटकर सूक्ष्म कणों में बदल जाता है और हवा, पानी और भोजन के माध्यम से हमारे शरीर में चला जाता है.

स्टडी में क्या कहा गया?

यह अध्ययन न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया और इसेनाम की मेडिकल जर्नल में प्रकाशित किया गया है. रिसर्च के अनुसार, साल 2018 में दुनियाभर में 3.56 लाख लोगों की मौतें दिल की बीमारी के कारण हुईं, जो फ्थेलेट्स के कारण थीं. इनमें से सबसे ज्यादा मौतें भारत में हुईं. करीब 1 लाख 3 हजार से ज्यादा, उसके बाद चीन और इंडोनेशिया का नंबर आता है. सबसे अधिक खतरा 55 से 64 वर्ष की उम्र के लोगों में पाया गया.

भारत को सबसे बड़ा खतरा क्यों?

भारत में प्लास्टिक का उत्पादन और उपयोग दोनों तेजी से बढ़ रहा है. यहां प्लास्टिक कचरा भी बड़ी मात्रा में पैदा हो रहा है, जिससे लोगों के फ्थेलेट्स के संपर्क में आने की संभावना बहुत ज्यादा है. शोधकताओं का कहना है कि दक्षिण एशिया, मिडिल ईस्ट, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र इस खतरे से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं. फ्थेलेट्स केवल दिल की बीमारियों का कारण नहीं बनता, बल्कि यह मोटापा, कैंसर, हार्मोनल असंतुलन और बांझपन जैसी समस्याएं भी बढ़ा सकता है।

चीन के लियाओनिंग रेस्तरां में आग लगी, 22 लोगों की मौत

एजेंसी

बीजिंग। पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत के लियाओयांग शहर में दोपहर 12:25 बजे लियाओनिंग रेस्तरां में आग लग गई। इस दौरान 22 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। इस संबंध में रेस्तरां के प्रभारी को हिरासत में लिया गया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार सूचना मिलते ही राहत और बचाव अभियान के लिए 22 दमकल गाड़ियां और 85 अग्निशमन कर्मी भेजे गए। अभियान के दौरान आसपास के निवासियों को सुरक्षित निकाला गया। राहत और बचाव अभियान पूरी हो गया है। झुलसे लोगों को नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। लियाओयांग शहर चीन की राजधानी बीजिंग से लगभग 580 किलोमीटर (360 मील) उत्तर-पूर्व में है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि इस हादसे में काफी लोग हताहत हुए हैं। इससे मिले सबक बेहद गंभीर हैं। यह रेस्तरां दो मंजिला बताया गया है। इसी महीने उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई थी।

आईएसपीआर के डीजी ने पाकिस्तान में भारत प्रायोजित आतंकवाद के सबूत पेश किए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत द्वारा पाकिस्तान में किए जा रहे राज्य प्रायोजित आतंकवाद के सबूत पेश किए। कहा गया कि पाकिस्तान के पास भारत द्वारा देश में फैलाए जा रहे आतंकवाद के सबूत हैं लेकिन भारत जो पहलगाम हमले का आरोप पाक पर लगा रहा है, उसके समर्थन में वह कोई ठोस प्रमाण नहीं दे सका है।पत्रकार वार्ता की शुरुआत में जनरल चौधरी ने कहा कि यह ब्रीफिंग विशेष रूप से एक अहम मसले पर स्थानीय और विदेशी मीडिया को पाकिस्तान का पक्ष स्पष्ट करने के लिए बुलाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सीमा पार आतंकवाद में संलिप्त है और पाकिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करने के लिए आतंकी नेटवर्कों का संचालन कर रहा है। आईएसपीआर के डीजी ने बताया कि भारत पाकिस्तान के अंदर बारूदी सुरंगें (आईईडी), विस्फोटक सामग्री और अन्य हथियार पहुंचाकर आतंकवादियों को सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले के लिए उकसा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सबूत भारत की लंबे समय से चली आ रही पाकिस्तान-विरोधी नीति का हिस्सा हैं, जो राज्य प्रायोजित आतंकवाद के रूप में सामने आ रही है।

कनाडा ने लिबरल पार्टी को दिया जनादेश, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का सबको साथ लेकर चलने का वादा

ओटावा। कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े टैरिफ को लेकर मची उथल-पुथल के बीच हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी लगातार चौथी बार सरकार बनाती दिख रही है। हालांकि वह बहुमत के आंकड़े से 'कुछ' दूर है। कार्नी ने मतगणना में लिबरल पार्टी की निर्णायक बढ़त के दौरान अपने पहले भाषण में सबको साथ लेकर चलने का वादा किया। अपने विजय भाषण में मार्क कार्नी ने कहा,' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। वह कनाडा पर कब्जा करना चाहते थे। अब ऐसा कभी नहीं होगा। कनाडा के निर्वाचन आयोग ने दोपहर ढाई बजे मतगणना के रुझान जारी किए। आयोग के अनुसार, कार्नी की लिबरल पार्टी 168, कंजर्वेटिव पार्टी 144, ब्लॉक क्यूबेकॉइस 23, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी सात और ग्रीन पार्टी एक सीट पर आगे चल रही है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी 45वें संसदीय चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। मतगणना के रुझानों में अब परिवर्तन होने की संभावना ना के बराबर है। हाउस ऑफ कॉमन्स में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 172 सीटों की जरूरत होती है। कार्नी ने आज सुबह ओटावा में अपने समर्थकों से कहा, मैंने राजनीति को इसलिए चुना, क्योंकि मुझे लगा कि देश को बड़े बदलाव की जरूरत है।

पहलगाम आतंकवादी हमले से उत्पन्न स्थिति पर नजर रख रहा है अमेरिका: टैमी

वाशिंगटन। अमेरिका ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि वह पूरी स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिका पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में और अधिक तनाव रोकने के लिए पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के संपर्क में हैं और उनसे संघर्ष से बचने का आग्रह कर रहे हैं। अमेरिका घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और जिम्मेदार कूटनीति को प्रोत्साहित करता है। सुश्री ब्रूस ने दुनिया की नजरों के सामने शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए सहयोग की जरूरत पर जोर देते हुए पाकिस्तान के हालिया बयानों पर भी बात की।

बांग्लादेश के रमना बटामुल नरसंहार केस में दोषियों की सजा पर फैसला आठ मई को

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में दिल दहला देने वाले 2001 के रमना बटामुल नरसंहार केस में हाई कोर्ट आठ मई को फैसला सुनाएगा। जस्टिस मुस्तफा जमान इस्लाम और जस्टिस नसरीन अख्तर की पीठ ने आज फैसला सुनाने की तारीख आठ मई तय की। पीठ ने 18 फरवरी को मृत्युदंड संदर्भों (मृत्युदंड की पुष्टि के लिए ट्रायल कोर्ट के दस्तावेज) और मामले में दोषी ठहराए गए आरोपितों की अपीलों पर सुनवाई पूरी कर सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। द डेली स्टार की खबर में अभियोजन के हवाले से यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि 14 अप्रैल, 2001 को राजधानी के रमना बटामुल में छायानौत के 1408 पहला बैशाख समारोह के दौरान दो बम विस्फोट हुए। देश को दहला देने वाले इन बम धमाकों में 10 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य

घायल हुई थे। 23 जून, 2014 को ढाका की एक अदालत ने मुफ्ती अब्दुल हन्नान, मौलाना अकबर हुसैन उर्फ हेलालुद्दीन, मौलाना मोहम्मद ताजुद्दीन, हाफेज जहांगीर आलम बदर, मौलाना अबू बकर उर्फ सेलिम हवलदार, मुफ्ती शफीकुर रहमान, मुफ्ती अब्दुल हई और आरिफ हसन सुमन को मौत की सजा सुनाई। इसके अलावा मौलाना अबू ताहेर, मौलाना सब्बीर उर्फ अब्दुल हन्नान, मौलाना याहिया, मौलाना शौकत उस्मान, मौलाना अब्दुर रउफ और शहादत उल्लाह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सभी दोषी इस्लामी समूह हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी के सदस्य हैं।

हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी बांग्लादेश के सभी आतंकी हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने में शामिल देश के सबसे कुख्यात आतंकवादियों में से एक मुफ्ती अब्दुल हन्नान को 13 अप्रैल, 2017 को काशिमपुर उच्च सुरक्षा जेल में फांसी दी जा चुकी है। हन्नान को 21 मई, 2004 को सिलहट में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त अनवर चौधरी पर ग्रेनेड हमला करने के लिए फांसी दी गई थी। उस मामले में कुछ अन्य आरोपित अभी फरार हैं।

जेल से छूटने की आस में इमरान खान ने भी भारत के खिलाफ उगला जहर

एजेंसी

कराची। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी भारत के खिलाफ जहर उगला है। मुल्क की एकजुटता की दुहाई देते हुए उनकी पार्टी पहले ही हुकूमत से उन्हें जेल से रिहा करने की गुहार लगा चुकी है। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार के अनुसार इमरान खान रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई संस्थापक की मंगलवार की फेसबुक पोस्ट के अनुसार उन्होंने रावलपिंडी की अदियाला जेल में वकीलों के साथ चर्चा के दौरान भारत की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा, हम एक पाकिस्तानी राष्ट्र के रूप में दृढ़ता से खड़े हैं और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की युद्धोन्माद और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा पैदा करने वाली उनकी खतरनाक महत्वाकांक्षाओं की निंदा करते हैं। इमरान खान ने पहलगाम हमले पर घड़ियाली आंसू बहाते हुए

पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि आत्मनिरीक्षण और जांच के बजाय भारत इसके लिए पाकिस्तान पर दोष मढ़ रहा है। इमरान ने कहा कि उन्होंने हमेशा कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार के महत्व पर जोर दिया है।

भाजपा विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाईवाले तीन दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। भारत की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले नेपाल के साथ संबंध मजबूत करने और प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ जुड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान चौथाईवाले प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल के नेता पुष्पकमल दहाल %प्रचंड%, सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं, राजनीतिक मोर्चों के नेताओं से मुलाकात करेंगे।काठमांडू आगमन पर चौथाईवाले ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनकी चर्चा राजनीतिक सहयोग, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने को लेकर केन्द्रित रहने वाली है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की भारत की संभावित यात्रा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। ओली के प्रधानमंत्री बनने के दस महीने के बाद भी उनकी भारत यात्रा नहीं हो पाई है। उनकी यात्रा नेपाल के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के

साथ संबंधों को गहरा करने और ऐसे समय में सद्भावना को बढ़ावा देने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जब दोनों पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान सीमित हो गया है।

चौथाईवाले के नेपाल भ्रमण को नेपाली राजनीतिक दल के साथ भाजपा की निकटता को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बुधवार सुबह काठमांडू पहुंचे चौथाईवाले के अपनी यात्रा समाप्त करने और भारत लौटने की उम्मीद है।

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम कोर्ट में दायर की नई याचिका, गिरफ्तारी को बताया अवैध और अन्यायपूर्ण

एजेंसी

ब्रुसेल्स। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपित और भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम की अपीलीय अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें उसने अपनी गिरफ्तारी को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आधार पर चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में फिलहाल सुनवाई स्थगित कर दी है। चोकसी की ओर से यह याचिका उनके अधिवक्ता विजय अग्रवाल द्वारा तैयार की गई है और बेल्जियम में नियुक्त उनकी कानूनी टीम ने इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। याचिका में दावा किया गया है कि भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद उसकी गिरफ्तारी के दौरान बेल्जियम अधिकारियों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया और उसे मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया। अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे मुवक्किल के साथ न्यायिक प्रक्रिया में न केवल लापरवाही बरती गई, बल्कि उसे उसके मौलिक अधिकारों से भी वंचित किया गया। यह गिरफ्तारी प्राकृतिक न्याय के मूल

सिद्धांतों के विरुद्ध है। चोकसी ने याचिका में यह भी मांग की है कि उसे तत्काल रिहा किया जाए क्योंकि उसकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी और असंवैधानिक थी। यह नई अपील तब दायर की गई है जब कुछ ही दिन पहले बेल्जियम की एक अदालत ने 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उस समय अदालत ने तीन जजों की पीठ के सामने डच भाषा में दलीलें सुनी थीं।उल्लेखनीय है कि बेल्जियम में इसी माह की शुरुआत में मेहुल चोकसी को भारतीय अधिकारियों के आधिकारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश के आगामी बजट में सामाजिक सुरक्षा पर जोर, प्रस्तावों को मंजूरी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आगामी राष्ट्रीय बजट (2025-26) में सामाजिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है। वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद ने बजट प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इस बजट में 624,000 नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। सभी प्रकार के लाभों के लिए भत्ते में न्यूनतम 50 टका से अधिकतम 100 टका की वृद्धि की जाएगी। ढाका ट्रिब्यून अखबार ने वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह खबर अपनी वेबसाइट पर आज अपलोड की है। इसमें कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों पर सलाहकार परिषद समिति की हाल ही में हुई बैठक में वित्त सलाहकार अहमद ने प्रस्तावों को मंजूरी दी। आगामी बजट में 12 प्रकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन 19,707 करोड़ टका होगा। चालू वित्त वर्ष

(2024-25) में आवंटन 17,957 करोड़ टका था। वित्त विभाग के अनुमान के अनुसार, 2025-26 में 99,000 नए लाभार्थियों को जोड़कर कुल 6.1 मिलियन बुजुर्गों को वृद्धावस्था भत्ता मिलेगा। इस भत्ते की राशि में 50 टका की वृद्धि की गई है, जो 600 टका से बढ़कर 650 टका हो गई है। इस कार्यक्रम के लिए कुल 4,791.31 करोड़ टका आवंटित किए जाएंगे, जो मौजूदा बजट में 4,350.97 करोड़ टका से अधिक है। इसके अलावा विधवा भत्ता श्रेणी में अतिरिक्त 125,000 महिलाओं को शामिल किया जाएगा। बजट प्रस्तावों में 800,000 गैरकैडर सरकारी कर्मचारियों की पेंशन के लिए 27,413.78 करोड़ टका आवंटित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 219,000 स्वतंत्रता सेनानियों के लिए भत्ते के रूप में 5,176.71 करोड़ टका आवंटित किया गया। विकलांगता भत्ता कार्यक्रम के लिए लाभार्थियों की संख्या 3.234 मिलियन से बढ़ाकर 3.45 मिलियन की गई है। इसके भत्ते को 50 टका बढ़ाकर 900 टका किया जाएगा। बांग्लादेश में मातृ एवं शिशु लाभ कार्यक्रम के तहत गरीब माताओं को वजीफा दिया जाता है। आगामी वित्त वर्ष में इस कार्यक्रम में 115,920 नई लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा। साथ मासिक भत्ता 50 टका से बढ़ाकर 850 टका कर दिया जाएगा।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण ब्लैकआउट, साइबर हमले की आशंका खारिज

एजेंसी

मेड्रिड। स्पेन की विद्युत ग्रिड संचालन कंपनी आरईई ने कहा कि उनकी प्रारंभिक जांच में हाल ही में हुए व्यापक ब्लैकआउट के पीछे किसी साइबर हमले की आशंका को खारिज कर दिया है। दोपहर 12:33 बजे (स्थानीय समय) स्पेन और पुर्तगाल के अधिकांश हिस्सों में अचानक बिजली गुल हो गई थी, जो इस क्षेत्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बिजली संकट माना जा रहा है।

आरईई के सिस्टम ऑपरेशंस प्रमुख एडुआर्डो प्रियेतो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह संकट दक्षिण-पश्चिमी स्पेन में बिजली उत्पादन के भारी नुकसान के कारण उत्पन्न हुआ। इसने पूरे सिस्टम में अस्थिरता पैदा की, जिससे फ्रांस के ग्रिड से कनेक्शन टूट गया। प्रियेतो ने यह भी कहा कि प्रभावित उत्पादन यूनिट संभवतः सौर ऊर्जा आधारित हो सकती है, लेकिन फिलहाल इस बारे में कोई निश्चित टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि फिलहाल बिजली आपूर्ति प्रणाली पूरी तरह से स्थिर और सामान्य रूप से कार्य कर रही है।

पाकिस्तान को जासूसों ने किया आगाह, भारत कभी भी कर सकता है सैन्य कार्रवाई, 24 से 36 घंटे बेहद अहम

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की हुकूमत को उसके जासूसों ने आगाह किया है। जासूसों ने कहा है कि यह चौकन्ना रहने का वक्त है। भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आने वाले 24 से 36 घंटे बेहद अहम हैं। जासूसों की यह चेतावनी भारत के जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने माना है कि संघीय सरकार को ऐसी खुफिया रिपोर्ट मिली है। इस पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, सूचनामंत्री तरार ने आज सुबह कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत दोनों देशों के बीच तनाव के

बीच अगले 24 से 36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। इस हमले के लिए नई दिल्ली ने भारत ने कोई सबूत नहीं दिया है। इस बीच भारत के अपनी सेना को खुली छूट देने से समूचे मुल्क में हड़कंप मचा हुआ है। भारत की इस अहम घोषणा से पसीना-पसीना तरार ने कुछ घंटों बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत पहलगाम घटना का बदला लेने के लिए 24-36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है। अगर मुल्क पर हमला होता है तो उसके परिणाम विनाशकारी होंगे। पाकिस्तान की फौज जवाब देने के लिए तैयार है। इस्लामाबाद को दोषी ठहराया है। तरार ने कहा कि हालांकि इसके लिए

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया का साया, रिपोर्ट जारी की, किया बदलाव का वादा

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय पिछले कुछ समय से यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की सार्वजनिक की गई रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। हार्वर्ड ने इसमें बदलाव का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड ने पिछले दिनों फंड में कटौती का विरोध करते हुए ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया पर रिपोर्ट के बाद बदलाव का वादा किया है। यह दोनों रिपोर्ट हार्वर्ड टास्क फोर्स ने जारी की हैं। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कहा है कि

यहूदी विरोधी भावना ने पाठ्यक्रम, सामाजिक जीवन, कुछ संकाय सदस्यों की नियुक्ति और कुछ शैक्षणिक कार्यक्रमों के वैश्विक दृष्टिकोण में घुसपैठ कर ली है।हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कैंपस में अरब विरोधी, मुस्लिम विरोधी और फिलिस्तीन विरोधी पूर्वाग्रह पर एक अलग रिपोर्ट भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अधिकांश मुस्लिम विद्यार्थियों को अपने राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए शैक्षणिक या पेशेवर दंड का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन कैंपस में यहूदी विरोधी भावना के आरोपों की जांच कर रहा है। विश्वविद्यालय संघीय निधि में अरबों डॉलर वापस लेने का विरोध कर रहा है।

द बोस्टन ग्लोब की खबर के अनुसार, इस रिपोर्ट के आने के बाद अरब और मुस्लिम विद्यार्थियों ने कहा कि कैंपस में उन्हें दोयम दर्जे के नागरिक जैसा महसूस होता है। साथी उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के साथ अपने असाधारण टकराव के बीच दोनों रिपोर्ट जारी की हैं। दोनों रिपोर्ट पिछले साल शरद ऋतु में जारी की जानी थी। ट्रंप प्रशासन ने 19 अप्रैल को मांग की थी कि हार्वर्ड यहूदी विरोधी रिपोर्ट से संबंधित सभी दस्तावेज सौंपे।

उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय मैसाचुसेट्स राज्य के कैम्ब्रिज शहर में स्थित है। यह एक निजी शोध विश्वविद्यालय है और आईवी लीग का सदस्य है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा का सबसे पुराना संस्थान है। इसकी स्थापना 1636 में हुई थी। यहां पढ़ चुके कई लोगों को नोबेल और पुलित्जर पुरस्कार मिल चुका है। फेसबुक संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी यहां के छात्र रहे हैं।

पहलगाम घटना पर चीन ने पड़ोसी देशों में बढ़ाई कूटनीतिक सक्रियता

एजेंसी

काठमांडू। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जहां अमेरिका और रूस जैसी विश्व शक्तियों ने भारत के पक्ष में होने का संदेश दिया है, वहीं चीन ने अपने तेवर बदलते हुए पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया है। पाकिस्तान द्वारा पहलगाम घटना की जांच का विषय उठाने के बाद चीन ने अपना समर्थन दिया है। इतना ही नहीं चीन ने इस विषय पर भारत के पड़ोसी देश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के हर कदम का समर्थन करने की घोषणा करने वाले नेपाल पर चीन ने दबाव देना शुरू किया है। नेपाल में चीन के राजदूत की सक्रियता सिर्फ सरकार ही नहीं राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात इसी ओर संकेत कर रहा है। पिछले दो दिनों में नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा, माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड

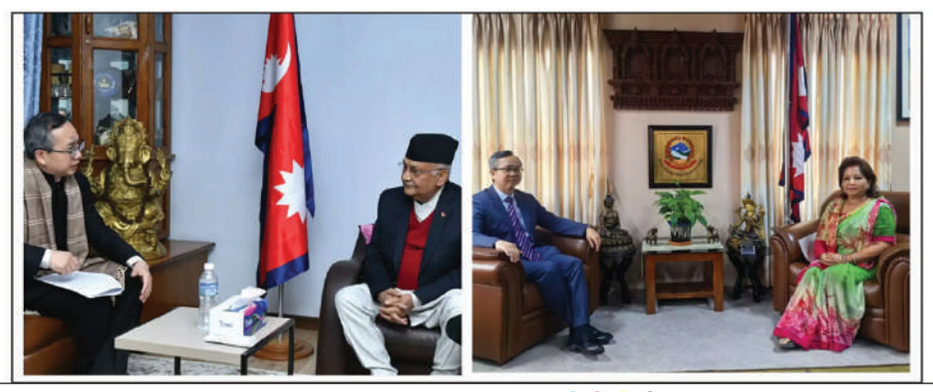

और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा से गुपचुप मुलाकात की है। हालांकि पहलगाम घटना के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन संवाद कर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए घटना की कड़ी निंदा की थी। नेपाल सरकार के तरफ से भी बयान जारी करते हुए पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते हुए आतंकवाद को किसी बहाने समर्थन नहीं किए जाने की बात स्पष्ट की थी। लेकिन नेपाल में चीन की सक्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नेपाल सरकार के बयान के ठीक विपरीत संसद में सत्तारूढ़ दल के नेता अलग ही बयान दे रहे हैं। पहलगाम घटना पर अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक श्याम घिमिरे ने कहा कि उनकी पार्टी दक्षिण एशिया में बढ़ रहे तनाव और संभावित युद्ध से चिंतित है। नेपाली कांग्रेस यह मानती है कि सभी द्वंद का समाधान वार्ता से संभव है। इतना ही नहीं घिमिरे ने यह भी स्पष्ट किया कि नेपाल किसी भी देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहेगा और ना ही युद्ध जैसी स्थिति में वो किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा बनेगा। नेपाली कांग्रेस पार्टी के तरफ से संसद में इस तरह का बयान भारत के लिए चिंता का विषय है। नेपाल की कम्यूनिष्ट पार्टी के साथ सत्ता गठबंधन में रहे डेमोक्रेटिक विचारधारा वाली पार्टी का यह बयान चिंताजनक है। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में ही कांग्रेस का इस तरह का बयान आया है।

श्रीलंका विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय टीम पर जुर्माना

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को श्रीलंका में चल रही विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के चलते मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना भुगतना पड़ा है। यह मुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एमिरेट्स इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी वेनेसा डी सिल्वा ने यह दंड लगाया, जब समय छूटों को ध्यान में रखने के बावजूद भारतीय टीम एक ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, निर्धारित समय में न्यूनतम ओवर गति नहीं बनाए रखने पर हर ओवर के लिए खिलाड़ियों से पांच प्रतिशत मैच फीस वसूली जाती है। यह नियम खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ दोनों पर लागू होता है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस गलती को स्वीकार करते हुए प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिससे मामले में औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस उल्लंघन की रिपोर्ट मैदान पर मौजूद अंपायर अन्ना हैरिस और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल, और चौथी अंपायर डेड्डुनु डी सिल्वा ने दर्ज की थी। यह घटना महिला क्रिकेट में समय प्रबंधन और नियमों के पालन के महत्व को दर्शाती है। आईसीसी बार-बार टीमों को समयसीमा का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करती रही है, जिससे खेल की लय और दर्शकों का अनुभव बेहतर बना रहे।

म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय राइफल-पिस्टल टीम घोषित, स्वप्निल और पलक की वापसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता पलक को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने जून के पहले सप्ताह में जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल वर्ल्ड कप के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। इस टीम की खास बात यह है कि डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो उन्हें इस बार की टीम में सबसे व्यस्त निशानेबाज बनाता है। पेरिस ओलंपिक के बाद स्वप्निल कुसाले के साथ संदीप सिंह भी पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं।हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने कुल 15 पदक (6 स्वर्ण सहित) जीते थे। भारत ने अर्जेंटीना में दूसरा और पेरू में तीसरा स्थान हासिल किया। उस प्रतियोगिता की 13 सदस्यीय टीम को म्यूनिख टीम में भी बनाए रखा गया है। विशेषकर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया।

स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में मिलाई के श्रीमंत झा ने जीता सिल्वर मेडल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी भिलाई के निवासी और पैरा आर्म रेशलर श्रीमंत झा ने स्विट्जरलैण्ड में 25 अप्रैल से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में 85 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर देश का तिरंगा लहराया। उन्होंने अपने इस मेडल को पहलगाम के आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीमंत झा के जज्बे की सराहना करते हुए उन्हें सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री झा ने अपनी उपलब्धि से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। श्रीमंत झा दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेशलर हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 85 किलोग्राम वर्ग में क्रोशिया के लुका ड्राकन को हराकर सिल्वर मेडल जीता। श्रीमंत झा ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद कहा कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की थी। अब वे आगामी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। झा ने आगे कहा यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। मैं हर एक मैच शहीद जवानों के सम्मान के लिए जीतता हूं।

सुनील नरेन ने टी20 क्रिकेट में हासिल किया नया कीर्तिमान, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर की बराबरी की

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रमुख स्पिनर सुनील नरेन ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच जीतने वाले स्पेल के बाद एक टीम के लिए पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर समित पटेल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। नरेन ने तीन विकेट लेकर बाजी पलट दी और गत चैंपियन को 14 रन से जीत दिलाई। उन्होंने अहम मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और ऐसे जाल बिछाए जिसका दिल्ली के मध्यक्रम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। मंगलवार की रात को अपने मैच जीतने वाले कारनामों के बाद, कोलकाता के लिए नरेन के विकेटों की संख्या 208 हो गई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आजमाएगी नए संयोजन

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मुकाबलों में हार के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उतरने जा रही है। यह मुकाबले 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शुरुआती दो हार के बाद अब नई रणनीति की तैयारी

पहले मैच में भारत ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंत में 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल दाग दिए। भारत की ओर से कप्तान महिमा टेटे (27'), नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टीवर्ट (21') और केंद्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल किए। दूसरे मैच में भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी।

इस मैच में भारत ने ज्योति सिंह (13') के जरिए शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एवी स्टैंसबी (17'), डेल डोल्केन्स (48') और जैमी-ली सुरह (52') ने गोल दागे। भारत की ओर से दूसरा गोल सुनलीता टोप्पो (59') ने किया लेकिन बराबरी नहीं हो पाई। अब भारतीय टीम सीनियर ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी, जिससे मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण होगा। पिछली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में 1-0 से जीत दर्ज की थी। कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में 26 सदस्यीय भारतीय टीम इस बार भी उसी जज्बे के साथ उतरने को तैयार है। टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए चीफ कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने कुछ सॉफ्ट गोल जरूर खाए हैं जो निराशाजनक रहे, लेकिन प्रदर्शन काफी प्रतिस्पर्धी रहा है। यह टेस्ट सीरीज है, यहां जीत-हार से ज्यादा अनुभव अहम है। कई खिलाड़ी पहली बार देश से बाहर खेलने आए हैं। मैं उन्हें मौका दे रहा हूं ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें। अब तक लगभग सभी को खेलने का मौका मिला है, लेकिन अब हम सर्वश्रेष्ठ संयोजनों को आजमाएंगे। सिंह ने बताया कि वर्ल्ड कप से पहले हर युवा खिलाड़ी को कम से कम 35 इंटरनेशनल मैच खेलने का लक्ष्य है।

आईपीएल 2025 : नारायण-वरुण की फिरकी में उलझी दिल्ली, कोलकाता ने 14 रन से दर्ज की जीत

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के वायुसेना स्टेशन स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के खो-खो, जूडो, ताइक्वांडो और शतरंज मुकाबलों में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय भनाला और रघुनाथपुरा ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिरसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-17 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय मानेसर तीसरे स्थान पर रहा।इस दौरान मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एन विश्वनाथ ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन में अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। सहायक आयुक्त भूपेश भट्ट ने हार-जीत को जीवन का हिस्सा बताते हुए छात्रों को हार के बाद भी निराश न होने और निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों को संगठन की ओर से मेडल और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जूडो अंडर-14 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गुरुग्राम की अंशिका व इसी स्कूल से अंडर-17 वर्ग में भूमिका ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शतरंज अंडर-14 वर्ग में एयरफोर्स स्टेशन गुरुग्राम की लक्षिता ने स्वर्ण पदक जीता, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पालुवास से नताशा ने रजत पदक और मानसवी ने कांस्य पदक हासिल किया।

एएफसी चैम्पियंस लीग: अल-अहली ने अल-हिलाल को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

जेद्दाह। एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट सेमीफाइनल में अल-अहली ने जेद्दाह में खेले गए मुकाबले में अल-हिलाल को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ अल-अहली अब अपने पहले एशियाई खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है।

फिरमिनो और टोनी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल-अहली ने आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में रॉजर इबानेज के पास पर ब्राज़ीलियन विंगर गेलेनो ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे रॉबर्टो फिरमिनो ने छह गज के बॉक्स में पहुंचते हुए गोल में तब्दील कर दिया। 27वें मिनट में रियाद महरेज़ के पास पर इवान टोनी ने दूसरा गोल दागा। हालांकि इसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीएआर जांच के बाद गोल मान्य हुआ। पहले हाफ के आखिरी पलों में सालेम अल-दोसारी ने एक मौका भुनाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन दूसरे हाफ में अल-हिलाल को बड़ा झटका तब लगा जब 60वें मिनट में कालिदू कुलीबाली को दूसरा येलो कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई।

देर से आए मौके, लेकिन अल-अहली ने की जीत पक्की

अल-अहली ने लगातार तीसरे गोल की कोशिश की और 85वें मिनट में उसे पेनल्टी भी मिली, लेकिन फ्रैंक केसी की किक को यासीन बोनू ने बचा लिया। हालांकि इंजुरी टाइम में फेरास अल-ब्रीकान ने तीसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी और घरेलू दर्शकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

कोच जैस्ले ने टीम को सराहा: मैच के बाद अल-अहली के कोच माथियास जैस्ले ने कहा, ये एक शानदार शाम थी। मैं अपने हर खिलाड़ी और हमारे फैंस पर गर्व करता हूं। ये जीत पूरी तरह से हमारी मेहनत का नतीजा है।

फाइनल में अल-नास्र या कावासाकी से भिड़ंत

अब अल-अहली का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में या तो साथी सऊदी क्लब अल-नास्र से होगा या जापान के कावासाकी फ्रंटाले से, जो बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल खेलेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के दौरान अजिंक्य रहाणे हुए चोटिल, चोट गंभीर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के दौरान हाथ में चोट लग गई। अब उनकी चोट की गंभीरता का मूल्यांकन आज टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा किया जाएगा।

फील्डिंग के दौरान लगी चोट, मैच से बाहर रहे रहाणे

रहाणे को ये चोट उस वक्त लगी जब वे शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। आंद्रे रसेल की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस ने जोरदार शॉट मारा, जो सीधा रहाणे के दाहिने हाथ पर लगा। गेंद मिड ऑफ की ओर गई और इस दौरान रहाणे तुरंत मैदान छोड़कर मेडिकल सहायता लेने चले गए। इसके बाद वे पूरे मैच में मैदान पर नहीं लौटे और उनका हाथ पट्टी से बंधा नजर आया।

सुनील नारायण ने की कप्तानी, आखिरी 9 ओवरों में दिलाई जीत

रहाणे के बाहर होने और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर की जगह इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोड़ा के आने के बाद, सुनील नारायण को टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने आखिरी नौ

ओवरों में कप्तानी करते हुए शानदार गेंदबाजी की और अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और फाफ डु प्लेसिस को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।

ठीक हूं, ज्यादा गंभीर नहीं है चोट - रहाणे

पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में रहाणे ने अपनी चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं ठीक हूं, सब ठीक रहेगा।

2021 की तरह फिर से कर सकते हैं वापसी

केकेआर फिलहाल 10 मैचों में 9 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। रहाणे ने कहा कि टीम को 2021 की तरह प्लेऑफ में पहुंचने का आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा, हमेशा से बात होती है कि जब हम अच्छा नहीं कर रहे होते हैं तो वापसी की उम्मीद होती है। लेकिन यह सब बीते समय की बात है। हमारे लिए जरूरी है कि हम इस जीत से आत्मविश्वास लें और आगे बढ़ें।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल : डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने आर्सेनल को पहले चरण में 1-0 से हराया

एजेंसी

लंदन। फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में आर्सेनल को उसके घरेलू मैदान पर हराकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुक़ाबले की शुरुआत ही धमाकेदार रही। फ्रांस के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के चौथे मिनट में गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। डेम्बेले ने बीच के घेरे से गेंद आगे बढ़ाई, ख्विचा क्वारात्स्खेलिया को पास दिया और आगे दौड़ लगाते हुए वापस मिली पास पर गोल कर दिया। गोल करने के बाद पीएसजी ने पूरे मैच में संतुलित और अनुशासित खेल दिखाया। आर्सेनल को बराबरी का कोई ठोस अवसर

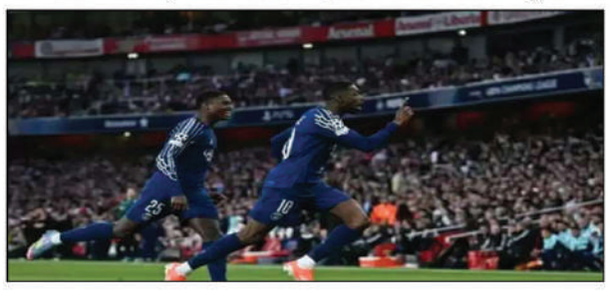

नहीं मिल सका और उसे 18 यूरोपीय घरेलू मुकाबलों के बाद पहली हार झेलनी पड़ी। मिकेल आर्तेता की टीम इससे पहले मौजूदा विजेता रियल मैड्रिड को दो चरणों में 5-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। पहले हाफ के अंत में गेब्रियल मार्टिनेली का शक्तिशाली शॉट इटली के गोलकीपर जानलुइजी डोनारुमा ने शानदार बचाव से रोक दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनो का हेडर गोल में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य कर दिया। इसके बाद भी लिएंड्रो त्रोसार्ड और मेरिनो जैसे खिलाड़ियों ने मौके बनाए, लेकिन डोनारुमा दीवार बनकर खड़े रहे। मैच के अंतिम समय में पीएसजी ने गति धीमी कर खेल को नियंत्रण में रखा। हालांकि, ब्रैडली बारकोला और गोंकालो रामोस के पास बढ़त को दोगुना करने के मौके थे। लेकिन बारकोला का शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया और रामोस की कोशिश क्रॉसबार से टकरा गई।

त्रिकोणीय सीरीज: स्नेह राणा की घातक गेंदबाजी से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

एजेंसी

कोलंबो। भारत ने महिला त्रिकोणीय एकदिनी श्रृंखला के एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से शिकस्त दी। इस जीत की नायिका रहीं स्पिनर स्नेह राणा, जिन्होंने अपने वनडे करियर का पहला पांच विकेट हॉल लेते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी लगातार जीत दर्ज की। इससे पहले उसने श्रीलंका को हराया था।पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने प्रतिका रावल (78 रन, 91 गेंद) की अर्धशतकीय पारी और हरमनप्रीत कौर (नाबाद 41) की संयमित बल्लेबाजी के दम पर 276 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। मंधाना (36), जेमिमा (41), हरलीन (29) और ऋचा घोष (24) ने भी अहम योगदान दिया। दक्षित अफ्रीका के लिए मलाबा ने दो विकेट चटकाए। जबकि अयाबोंगा खाका, मसाबता क्लास, नेडिने क्लर्क और डर्कसन को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ताजमिन ब्रिट्स (109) और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (43) ने पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़कर भारत को दबाव में डाल दिया। लेकिन स्पिनरों की वापसी ने खेल का नक्शा बदल दिया। दीप्ति शर्मा ने वोल्वार्ड्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद स्नेह राणा ने लगातार विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीकी पारी को बिखेर दिया। 48वें ओवर में राणा ने तीन रन देकर तीन विकेट झटके।

ग्रैंड चेस टूर, पोलैंड ब्लिट्ज 2025: प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर, फेडोसेव शीर्ष पर कायम

एजेंसी

वारसॉ (पोलैंड)। ग्रैंड चेस टूर 2025 के सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में ब्लिट्ज सेगमेंट के पहले दिन रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप पोजिशन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वहीं भारत के आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथांबरम के लिए यह दिन मिले-जुले नतीजों वाला रहा।

फेडोसेव का अपराजेय अभियान जारी

रैपिड सेक्शन में भी दमदार खेल दिखा चुके फेडोसेव ने ब्लिट्ज के नौ राउंड में एक भी मुकाबला नहीं हारा। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन (रैपिड और चेस960 दोनों फॉर्मेट में) फेडोसेव अब 19 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं।

प्रज्ञानानंद की छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचे

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ब्लिट्ज में चार

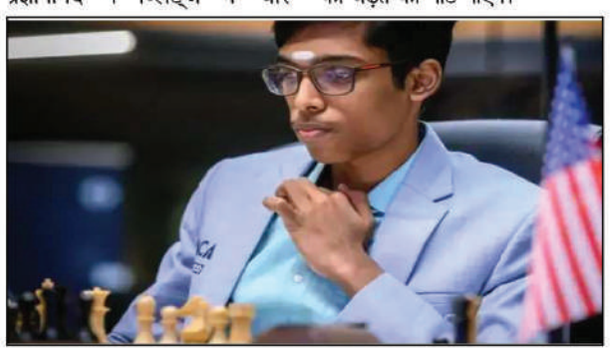

मुकाबले जीते जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कुल स्कोर में बढ़त बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब निगाहें 30 अप्रैल को होने वाले अंतिम नौ राउंड पर टिकी हैं कि क्या युवा खिलाड़ी फेडोसेव की बढ़त को पाट पाएंगे।

चिथांबरम की लड़खड़ाती शुरुआत, तीसरे स्थान पर खिसके

अरविंद चिथांबरम ब्लिट्ज राउंड में फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैपिड सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी मैक्सिम वचिएर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट और लोकेशन

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में पहले सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड सेक्शन खेला गया, जिसके बाद डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज सेगमेंट जारी है। ब्लिट्ज में 5+2 टाइम कंट्रोल रखा गया है और हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक तथा हार पर 0 अंक मिलते हैं। टूर्नामेंट वारसॉ स्थित म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ पोलिश ज्यूज में खेला जा रहा है।

विराट मेरी जिंदगी में आने वाला सबसे शांत इंसान है : अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली। अनुष्का शर्मा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और विराट से रिश्ते पर बातकी है। उन्होंने पति के साथ रिश्ते की बारीकियों को साझा किया। अनुष्का ने अपनी शादी को अपने सबसे अच्छे दोस्त और विश्वासपात्र के साथ बंधन बताया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसे इंसान से शादी की है, जिसे मैं सिर्फ इसलिए प्यार करती हूं क्योंकि वह जैसा है, वैसा ही है। उनका रिश्ता आपसी सम्मान और समझ पर टिका है, जो उनके व्यस्त करियर के बीच एक ठहराव देता है। विराट की मैदान पर आक्रामक छवि के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा कि वह मैदान के बाहर सबसे शांत इंसान हैं। मैं उन्हें देखती हूं और सोचती हूं, 'तुम कितने शांत हो!' वह मेरे जानने वाले सबसे शांत व्यक्तियों में से एक हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की हार पर बोले विप्रज निगम - गलत शॉट चयन से मैच फिसल गया

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के एक अहम मुकाबले में मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों 14 रन से हार का सामना करना पड़ा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 190 रन ही बना सकी। फाफ डु प्लेसिस (62 रन, 45 गेंद), कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद) और युवा बल्लेबाज विप्रज निगम (38 रन, 19 गेंद) ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में विप्रज निगम ने कहा, हमारी योजना शुरू से यही थी कि हम उनके दो मुख्य स्पिनर्स को टारगेट करें और हमने वैसा ही किया। लेकिन कुछ मौकों पर शॉट सिलेक्शन सही नहीं रहा और वहीं से मैच हमारे हाथ से फिसला। जब विप्रज से पूछा गया कि

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला क्यों लिया गया, तो उन्होंने बताया, हमें उम्मीद थी कि बाद में ओस गिरेगी जिससे बल्लेबाजी आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा था। पहले पारी में 200+ और दूसरी में 190 रन बने, जिससे साफ है कि यह एक बैटिंग फ्रेंडली पिच थी। अपने अब तक के आईपीएल सफर पर बात करते हुए विप्रज ने कहा, क्रिकेट एक सफर है जिसमें उतार-चढ़ाव आते हैं। सबसे जरूरी है आपका माइंडसेट और टीम का माहौल। मुझे अक्षर भैया, केएल भैया और बाकी सीनियर खिलाड़ियों से हमेशा सहयोग मिला है। कुलदीप यादव से अपनी दोस्ती पर उन्होंने कहा, हम डोमेस्टिक क्रिकेट में एक साथ खेलते हैं, इसीलिए हमारी अच्छी बॉन्डिंग है। आईपीएल से पहले भी हमने काफी बातचीत की थी, और उन्हें टीम में पाकर अच्छा लगता है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स इस समय अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और अब टीम अगला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी, जिसमें जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में वापसी की कोशिश करेगी।

प्रभसिमरन को याद आई सचिन की सलाह, बोले- 7 साल हो गए और...

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2014 के बाद पहली बार प्ले-ऑफ में जगह बनाने की अपनी टीम की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि टीम श्रेयस अय्यर-रिकी पोंटिंग के दौर में 'अलग तरह' की क्रिकेट खेल रही है। कप्तान अय्यर और मुख्य कोच पोंटिंग दोनों ही पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले सत्र के मध्य में हैं, लेकिन प्रभसिमरन 2019 से ही टीम से जुड़े हुए हैं। पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के साथ मुझे सात साल हो गए हैं। उन्होंने जाहिर तौर पर मेरा बहुत साथ दिया

है। आप कह सकते हैं कि इस साल हम बहुत अलग तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं और मुझे लगता है कि हम ज्यादातर समय हावी रहते हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि दुर्भाग्य से, पिछले मैच (केकेआर के खिलाफ) में बारिश हो गई हुई लेकिन हमारी टीम के लिए क्वालिफिकेशन (प्लेऑफ में) की संभावना अभी भी बहुत अधिक है। हम क्वालीफाई करते हैं, तो हम ट्रॉफी की ओर देखेंगे। टीम ने इतने सालों में मुझ पर भरोसा किया है, अब उन्हें कुछ वापस देने की मेरी बारी है। प्रभसिमरन उन दो खिलाड़ियों में से एक थे जिन्हें फ्रेंचाइजी ने मेगा नीलामी से पहले रिटेन किया था। फ्रेंचाइजी ने उनके अलावा शशांक सिंह को रिटेन किया था। उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर से मिली सलाह को याद करते हुए अपने खेल में सुधार का श्रेय उन्हें भी दिया। पंजाब के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि सचिन सर ने कहा था कि मैं ज्यादा बाहर (अंतिम एकादश से बाहर) नहीं बैठता था। लेकिन मैं फिर भी तुमसे कहना चाहूंगा कि तुम अगर इतनी दूर आ गए हो तो यह देखों की यहां से क्या सीख सकते हो। इस 24 साल के सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने जब मेरे दिमाग में यह बात डाली, तो मैं सोचता था कि अगर अगर इस मैच में मौका नहीं मिला तो अगले मैच में मिलेगा।

पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

'उनका बुरा हाल हो...', पहलगाम हमले पर छलका

दीपिका कक्कड़

का दर्द, कहा - 'जितना मैंने इस्लाम को समझा....'

पहलगाम हमले के बाद लोगों का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है. आतंकी हमले से पहले टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम पहली बार कश्मीर घूमने पहुंचे थे. अपने इस ट्रीप के दौरान दीपिका -शोएब ने कई व्लॉग बनाए, वीडियोज और रील्स भी बनाईं. लेकिन पहलगाम हमले के बाद भी जब दोनों लगातार व्लॉगिंगस के जरिए कश्मीर पर बात करते रहे थे, तो लोगों ने इन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. अब दीपिका ने अपने नए व्लॉग में अपना दुखा जाहिर किया है.

दीपिका की मानें तो जब वो दिल्ली वापस लौट रहे थे, तो उन्हें उसी दौरान इस आंतकी हमले के बारे में पता चला. दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'जब हम ट्रिप पर थे तो मैंने ऐसे ही ऑन एंड ऑफ व्लॉग बनाए हैं क्योंकि मैं ज्यादातर रूहान को अटेंड कर रही थी. उसके बाद पिछले दो-तीन दिनों से तो एक अलग सी मायूसी कह लो या सोचने समझने की कपैसिटी नहीं होती, वैसी सिचुएशन थी. क्योंकि जो कुछ भी हुआज्हमारे साथ तो ऐसा हुआ कि जिस दिन हम दिल्ली

में लैंड किए हैं, धीरे-धीरे पता चलने लगा पहलगाम में ऐसा अटैक हुआ है.

दिल दहलाने वाला हादसा -दीपिका कक्कड़

दीपिका ने आगे कहा, शुरुआत में मुझे ऐसा लहा कि छोटा-सा कुछ हुआ है, ऐसा लग रहा था. लेकिन जिस तरह से इस सिचुएशन की गंभीरता पता चली है. मतलब इतना भयानक कहूं या दर्दनाक, जो हादसा हुआ है पूरी तरह से हिला कर रख दिया है. दीपिका ने महिलाओं और बच्चों की हालत पर दुख जाहिर किया. एक्ट्रेस ने इस हादसे को दिल दहलाने वाला बताया.

सबका बुरा हाल हो, सबके सामने हो - दीपिका कक्कड़

अपने व्लॉग में दीपिका ने ये भी कहा, मैं तो दिल से दुआ करती हूं कि जिस किसी ने भी ये किया है, एक तो जिन चार लोगों का स्केच सामने आया था वो, और इसके पीछे जो भी लोग हैं उन सबका बुरा हाल हो, इतना बुरा हाल हो, सबके सामने हो. जैसे आज ये बेचारी फैमिली तड़प रही हैं, वैसे ही वो तड़पें. हर एक दर्द को महसूस करें. जितना मैं इस्लाम को समझी हूं, मैं ये चीज पूरे यकीन के साथ कह सकती हूं कि ये कोई ईमान वाला मुसलमान ये काम कर ही नहीं सकता.

मैं मर जाऊं तो मुझे जला देना, किसी को बताना मत... राजकुमार की आखिरी इच्छा ऐसी क्यों थी?

दिवंगत एक्टर राजकुमार काफी मुंहफट स्वभाव के व्यक्ति थे. अमिताभ बच्चन, सलमान खान से लेकर गोविंदा जैसे सुपरस्टार्स तक की उन्होंने मुंह पर बेइज्जती की थी. उनसे जुड़े कई किस्से काफी मशहूर हैं. लेकिन आपको ये बात हैरान कर सकती है कि एक्टर की इच्छा अपने अंतिम संस्कार में किसी को भी बुलाने की नहीं थी. उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी जो आपको भी कफी हैरान कर सकती है या सोचने पर भी मजबूर कर सकती है.

राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को पाकिस्तान के लोरलाई में हुआ था. राजकुमार ने अपने करियर में काफी नाम कमाया था. फैंस उनके अभिनय के साथ ही उनकी डायलॉग डिलीवरी के भी दीवाने रहे. लेकिन इस दिग्गज एक्टर के असामयिक निधन से फैंस को बड़ा झटका लगा था. दरअसल राजकुमार को अपने अंतिम दिनों में गले का कैंसर हो गया था. इस बीमारी के चलते उनका 3 जुलाई 1996 को मुंबई में निधन हो गया था.

राजकुमार को हो गया था मौत का आभास

राजकुमार को मौत से ठीक पहले मौत का आभास हो गया था. गले के कैंसर के चलते एक्टर ने महज 70 साल की उम्र में दुनिया छोड़ दी थी. एक दिन उन्होंने परिवार के लोगों को बुलाया और उन्हें सख्त हिदायत दी थी. दिवंगत अभिनेता ने कहा था कि मेरे मरने के बाद किसी को मेरी मौत की खबर मत देना. मुझे जला देना, मेरा अंतिम संस्कार कर देना. इसके बाद ही लोगों को मेरे निधन की खबर देना.

राजकुमार ने क्यों जताई थी ऐसी इच्छा ?

राजकुमार का अंतिम संस्कार कहां और कब हुआ था इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है. उनकी इच्छा के मुताबिक उनकी फैमिली ने उनका अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से कर दिया था. दरअसल वो नहीं चाहते थे कि उनकी मौत के बाद किसी तरह का कोई मजाक या तमाशा बने. उनकी इच्छा थी कि न ही लोग और न ही मीडिया उनके अंतिम संस्कार का हिस्सा बने.

फिल्मों के लिए सब-इंस्पेक्टर की नौकरी छोड़ी

राजकुमार कभी मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर नौकरी करते थे. लेकिन किसी ने उन्हें फिल्मों में आने की सलाह दी तो वो नौकरी छोड़कर बॉलीवुड में आ गए. राजकुमार ने अपने करियर में 'मदर इंडिया', 'तिरंगा', 'पैगाम', 'दिल अपना और प्रीत पराई', 'रिश्ते नाते' और 'सौदागर' सहित कई फिल्मों में काम किया था.

सलमान खान की 'मुझसे शादी करोगी' का बनेगा सीक्वल, खबर पढ़कर भाईजान के फैंस का दिल टूट जाएगा

सलमान खान ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्हें सालों बाद भी उनके फैंस देखना पसंद करते हैं. ऐसी फिल्मों में एक नाम है 'मुझसे शादी करोगी' का, जो साल 2004 में रिलीज हुई थी. डेविड धवन ने फिल्म को डायेरक्ट किया था और साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे. अब इस फिल्म के सीक्वल बनने की खबर है.

सलमान के साथ फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार भी दिखे थे. हालांकि, सीक्वल की खबर से इन तीनों स्टार्स के फैंस का दिल टूट सकता है. ऐसा इसलिए, क्योंकि सीक्वल बनने की खबर तो है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि ये तीनों सितारे दूसरे पार्ट में नहीं दिखेंगे.

फिल्म की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम

पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो साजिद नाडियाडवाला किसी तीन यंग एस्टेब्लिश सितारों के साथ फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं.

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि अभी 'मुझसे शादी करोगी 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है. हालांकि, सीक्वल बनाना है या नहीं इसका आखिरी फैसला स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद होगा. अगर साजिद को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई तभी सीक्वल बनेगा. उनका आइडिया तीन स्टार्स के साथ एक कॉमेडी फिल्म बनाने का है.

इन दो फिल्मों के सीक्वल पर भी चल रहा है काम

रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि दो और बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल पर काम चल रहा है. पहली फिल्म है विद्या बालन की 'कहानी', जिसका तीसरा पार्ट बनने वाला है. डायरेक्टर सुजॉय घोष फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं. आइडिया सुनकर विद्या भी फिल्म करने को राजी हो गई हैं. फिलहाल वो स्क्रीनप्ले फाइनल होने का इंतजार कर रही हैं.

दूसरा नाम कंगना रनौत की फिल्म 'क्वीन' का है. बताया गया कि इस फिल्म का दूसरा पार्ट हमें आने वाले समय में देखने को मिल सकता है. विकास बहल ने फिल्म के लिए स्क्रिप्ट क्रैक कर लिया है. फिलहाल लीगल टीम फिल्म के टाइटल के राइट्स पर काम कर रही है. अगर सबकुछ सही रहा तो कंगना हमें 'क्वीन 2' दिख सकती हैं.

महेंद्र सिंह धोनी से मिलने गई

गुल्की जोशी

इस टीवी एक्ट्रेस का हो गया था बुरा हाल, कहा- उस इंसीडेंट ने मुझे हिलाकर रख दिया

गुल्की जोशी टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम हैं. वैसे तो गुल्की कई शो में नजर आ चुकी हैं, लेकिन उनका सबसे फेमस शो नादान परिदें से इन्हें काफी पॉपुलैरिटी हासिल हुई थी. हालांकि, फेमस शख्स होने के बाद भी एक वक्त ऐसा आया, जिसने एक्ट्रेस को झकझोर कर रख दिया. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपनी जर्नी के बारे में बात की. इसी दौरान उन्होंने इंडियन क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी से भी मिलने का किस्सा शेयर किया.

गुल्की का शो नादान परिदें काफी फेमस था, जिसकी वजह से उन्हें एक इवेंट में गेस्ट के तौर पर इनवाइट किया गया था. उस इवेंट में उन्हें महेंद्र सिंह धोनी को एक अवॉर्ड देना था. अपनी इस जर्नी को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने उनके साथ हुए एक डरावने हादसे का भी खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो इवेंट की लोकेशन पर पहुंची, तो लोगों की भीड़ उन पर काफी हावी हो गई थी. उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें महसूस हुआ कि ये सिर्फ लोगों की एक्साइटमेंट नहीं है.

छेड़छाड़ का था डर

फिल्मी मंत्रा के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि रांची में वो पहली बार था, जब वो आईपीएल के लिए गई थीं. उन्होंने बताया कि वो इवेंट एक वक्त के बाद काफी खतरनाक साबित हुआ. उन्होंने बताया कि लोगों की भीड़ इस तरह की हो गई थी कि उन्हें फिजिकली तौर पर खतरा महसूस होने लगा था. गुल्की ने बताया कि लोगों के धक्का-मुक्की के बीच उन्हें ऐसा लगा कि उनके साथ छेड़छाड़ भी हो सकती है.

पूरी तरह से सहम गई थीं

हालांकि, एक्ट्रेस को बचाने के लिए उनके सिक्योरिटी गार्ड वहां पहुंच गए और उन्हें घेर लिया. चीजों के कंट्रोल में आने के बाद वो भीड़ में से निकल गई थीं. एक्ट्रेस ने बताया कि वो इस भयानक था कि एक सेफ जगह पर जाने के बाद भी मुझे डर लग रहा था. उस घटना की वजह से एक्ट्रेस पुरी तरह सहम गई थीं. हालांकि, इन सभी के बावजूद एक्ट्रेस का इवेंट काफी अच्छा हुआ. उन्होंने एमएस धोनी के साथ मुलाकात भी की.

पहलगाम हमला: नरेंद्र मोदी एक्शन लें, समय बर्बाद न करें: राहुल

जिन लोगों ने यह किया, वे जहां भी हैं, उन्हें भुगतना होगा: राहुल

कानपुर

पहलगाम हमले पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, 'मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने यह किया, वे जहां भी हैं, उन्हें भुगतना होगा। सरकार को विपक्ष का 100% समर्थन है। नरेंद्र मोदी को एक्शन लेना होगा और वह भी सख्त। सरकार को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।' इस बीच पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर कई पोस्ट खाली कर दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने इन पोस्ट से झंडे भी हटा लिए हैं। पहलगाम हमले को 8 दिन हो चुके हैं। इस हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी। 10 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। राहुल गांधी बुधवार को कानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या से मुलाकात की।

राहुल गांधी कानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या से मुलाकात की।

भारत और पाकिस्तान के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशकों ने हॉटलाइन पर बातचीत की और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम

उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। पूर्व रॉ चीफ आलोक जोशी को इसका चेयरमैन बनाया गया है। प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक हुई। उउर की यह दूसरी मीटिंग है, पहली मीटिंग पहलगाम अटैक के अगले दिन 23 अप्रैल को हुई थी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अपने कुवैती समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याह्या को फोन कर पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश मंत्री नटाली बेकर ने बुधवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की।

आआपा ने केंद्र से आतंकी हमले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व मंत्री एवं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पूरा देश सरकार के साथ है। सौरभ भारद्वाज ने आज एक पत्रकार वार्ता में कहा कि पहलगाम हमले के बाद पूरा देश भारत सरकार और भारतीय सेना के साथ खड़ा है। पूरा देश मांग कर रहा है कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाये। भारद्वाज ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री से मांग कर रहा है कि अब भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा कब्जाए पीओके को वापस ले। हमें भारतीय सेना के पराक्रम पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि आज करीब एक तिहाई कश्मीर पाकिस्तान के कब्जे में है। करीब 72,935 वर्ग किमी हमारा कश्मीर पाकिस्तान के कब्जे में है। मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले को आठ दिन गुजर गए हैं और पूरा देश चाहता है कि इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को तबाह कर दिया जाए। पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि सरकार इन आतंकियों को उन्हीं की भाषा में करारा जवाब दे।

जातिगत जनगणना पर केंद्र के फैसले का कांग्रेस ने किया समर्थन, राहुल बोले- टाइम लाइन बताए

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना कराने के कैबिनेट निर्णय का स्वागत किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी टाइम लाइन भी बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का जो भी मॉडल हो, वह जनोन्मुखी होना चाहिए। तेलंगाना सरकार के जातिगत जनगणना मॉडल को बेहतरीन बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो वहां की कांग्रेस सरकार इस मामले में केंद्र सरकार की मदद करेगी। राहुल गांधी ने आज शाम यहां कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि जातिगत जनगणना कांग्रेस का मुद्दा था। संसद में हमने कहा था कि हम जातिगत जनगणना करवा कर छोड़ेंगे और आरक्षण के लिए अभी निर्धारित 50 प्रतिशत की कैप भी हटवाएंगे। अब 11 साल बाद केंद्र की मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को हरी झंडी दी है तो हम इसका समर्थन करते हैं लेकिन हम टाइम लाइन चाहते हैं। इसके लिए बजट आवंटन किया जाना चाहिए। राहुल ने कहा कि जातिगत जनगणना बिहार और तेलंगाना में हुई है लेकिन दोनों में काफी अंतर

है। तेलंगाना का आदर्श मॉडल है। हम इस मामले में इस मॉडल के जरिये केंद्र सरकार की मदद कर सकते हैं। हमारा दृष्टिकोण अलग है। हम सिर्फ आरक्षण नहीं, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों की कितनी भागीदारी सरकारी नौकरियों में है? हम इसके जरिये जानना चाहते हैं। आर्टिकल 15 (5) निजी शिक्षा क्षेत्र में भी लागू किया जाए, क्योंकि यह निजी शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी, पिछड़े वर्ग और आदिवासियों के आरक्षण के लिए दरवाजे खोलता है। बिहार विधानसभा चुनाव से ऐन पहले सरकार के इस निर्णय के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने इस पर कुछ भी कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जोरदार अभियान के कारण ही मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया है। गिग वर्कर्स के लिए हम तेलंगाना और कर्नाटक में नया कानून बना रहे हैं, क्योंकि इसमें दलित पिछड़ा और आदिवासी वर्ग के लोग हैं। पहलगाम आतंकी हमले से ध्यान बंटाने के लिए तो सरकार ने यह फैसला नहीं लिया? यह पूछने पर राहुल ने कहा कि इस तरह की अटकलें लगाना मीडिया का काम है, मेरा नहीं। लेकिन सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य होना चाहिए। इसका डिजाइन आम आदमी केंद्रित होना चाहिए न कि अफसरशाही केंद्रित। तेलंगाना का मॉडल जनोन्मुखी है, इसलिए मैं उसे बेहतरीन बता रहा हूं। तेलंगाना सरकार ने 50 प्रतिशत का रिजर्वेशन कैप हटा दिया है और निजी शिक्षण संस्थानों में अनुच्छेद 15 (5) को लागू कर दिया है। राहुल गांधी ने बताया कि मैं आज कानपुर गया था, वहां आतंकी हमले के पीड़ित परिवार से मिला, जिसकी निर्मम हत्या पहलगाम में हुई। इसी तरह 28 लोगों को मारा गया। इस तरह के कृत्य को अंजाम देने वालों को ऐसा सबक सिखाया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसा करने से पहले वो सोचें। सर्वदलीय बैठक में हमने सरकार को पूरा समर्थन व्यक्त किया।

मप्र के कई जिलों में बारिश, तेज हवाओं से गिरा मंच, बाल-बाल बचे मंत्री विजयवर्गीय

भोपाल

मध्य प्रदेश में बुधवार शाम को आंधी-बारिश का दौर चला। इंदौर में इतनी तेज हवाएं चली कि मुंबई से आई इंडिगो की फ्लाइट लैंड नहीं कर पाई। इसके बाद विमान को भोपाल में उतारा गया। वहीं, इंदौर के पास राऊ में विश्वकर्मा मंदिर गौशाला के कार्यक्रम के दौरान मंच का एक हिस्सा गिरा। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी आयोजन स्थल पर मंच पर मौजूद थे। हालांकि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। इंदौर में तेज आंधी से एरोड्रम इलाके में एक वाहन पर पेड़ गिर गया। जिससे वाहन चालक को चोट आई है। तेज आंधी से कई इलाकों में लाइट भी गुल हो गई। भोपाल में भी चली तेज हवाओं से शहर के तुलसी टावर के पास पेड़ की टहनी टूटकर सड़क पर आ गई। देवास में भोपाल रोड पर कई पेड़ और होर्डिंग्स भी गिर पड़े। राऊ क्षेत्र स्थित एक गौशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तेज हवाओं के चलते मंच का स्ट्रक्चर गिर गया। मंच पर भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई। दरअसल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रतिवर्ष अपने जन्म दिन के मौके पर गौशाला में अपने समर्थकों के साथ जाते है। बुधवार को भी मंत्री विजयवर्गीय जन्मदिन के मौके इस गौशाला में गौ सेवा के लिए गए थे। इस दौरान क्षेत्री भाजपा समर्थन ने गौशाला परिसर में मंच भी लगवाया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंच पर मंत्री विजयवर्गीय वहां मौजूद लोगों से संवाद कर रहे थे। वहां मौजूद लोग गौ सेवा के लिए अपनी ओर से सहयोग व सहायता राशि देने की बातें कह रहे थे। तेज हवा के झोंकों ने पंडाल और मंच को हिला दिया और कुछ ही पलों में मंच गिर पड़ा। इस कारण मंच पर खड़े कुछ लोग गिरे। भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा के मुताबिक गौशाला में हुए आयोजन में मंत्री विजयवर्गीय मंच पर मौजूद थे। इस दौरान मंच का एक हिस्सा गिरा। इसमें मंत्री विजयवर्गीय या अन्य लोगों को कोई विशेष चोट नहीं लगी। इधर, आगर में लगातार दूसरे दिन बेमौसम बारिश हुई। बुधवार दोपहर करीब 3.45 बजे से तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। जिससे सड़कों पर पानी भर गया।

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ का संविधान तैयार करने के मामले पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल एसोसिएशन (एआईएफएफ) का संविधान तैयार करने के मामले पर फैसला सुरक्षित रखा है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एल नागेश्वर राव को सौंपा था। कोर्ट ने जस्टिस एल नागेश्वर राव से आग्रह किया था कि संविधान तैयार करते समय सभी संबंधित पक्षों का पक्ष सुनें और रिपोर्ट दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2022 को एआईएफएफ का कामकाज संभालने का जिम्मा एसोसिएशन के महासचिव को दिया

था। कोर्ट ने अपनी तरफ से नियुक्त प्रशासकों की कमेटी का काम पूरा हो जाने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई 2022 को एआईएफएफ का प्रशासन संभालने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिल आर दवे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान रहे भास्कर गांगुली को इस कमेटी में शामिल किया था। प्रशासकों की इस कमेटी को नेशनल स्पोर्ट्स कोड के अनुरुप एआईएफएफ का संविधान तैयार करने में कोर्ट की मदद करने का आदेश दिया गया था।

सदर बाजार के व्यापारियों ने मेयर को बताई अपनी समस्याएं

यूजर चार्ज से छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा बोझ - पम्मा व राकेश कुमार यादव

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दिल्ली के नवनिर्वाचित मेयर राजा इकबाल सिंह से भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में फेस्टा के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश कुमार यादव, महासचिव राजेंद्र शर्मा, सतपाल सिंह मंगा, कमल कुमार एवं कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने मेयर राजा इकबाल सिंह को सदर बाजार की समस्याओं से अवगत करवाते हुए बताया नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स के साथ यूजर चार्ज लगाने पर व्यापारियों में काफी रोष है। सदर बाजार में कई दुकानें बहुत ही छोटी हैं जिनका हाउस टैक्सी 500 या ?700 बनता है। उसके साथ ?5000 यूजर चार्ज से छोटे व्यापारियों पर बोझ पड़ेगा इससे व्यापारियों को काफी नाराजगी है। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा के आने वाले समय में बारिशों का मौसम आ रहा है जिससे दुकानों के अंदर तक पानी चला जाता है। इसको देखते हुए नगर निगम को पहले से ही सब सीवर लाइन की सफाई कर लेनी चाहिए। साथी उन्होंने सदर बाजार थाना से लेकर 12 टूटी चौक तक जो नगर निगम द्वारा पार्किंग दी गई है उसको रद्द करने की मांग की क्योंकि वह येलो लाइन से आगे भी दो-तीन लाइन लगा देता है जिससे आए दिन ट्रैफिक जाम रहता है और उससे कहीं आपराधिक घटनाओं भी होती है।

अक्षय तृतीया पर दिल्ली में आज 21 हजार से अधिक शादियां - CTI

इसी वजह से बाजारों में अच्छी खासी रौनक दिखाई दे रही है,शादियों से जुड़े कारोबारियों के लिए यह पीक सीजन है होटल एवं बैंक्वेट हॉल के रेट में भी 10-15 प्रतिशत का इजाफा हुआ

दिव्या दिल्ली : एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली में आज अक्षय तृतीया के अवसर पर 21 हजार से अधिक शादियां होने का अनुमान है , इसी वजह से बाजारों में अच्छी खासी रौनक दिखाई दे रही है,शादियों से जुड़े कारोबारियों के लिए यह पीक सीजन है होटल एवं बैंक्वेट हॉल के रेट में भी 10-15 प्रतिशत का इजाफा हुआ है ,लगभग सभी होटल एवं बैंक्वेट हॉल में बुकिंग फुल हो गई है , इसके अलावा कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट, सैलून एवं ब्यूटी पार्लर, डीजे साउण्ड, डेकोरेशन, आर्केस्ट्रा, आदि सभी को अच्छी खासी बुकिंग मिली है।

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव विष्णु भार्गव ने बताया कि दिल्ली में अक्षय तृतीया के अवसर पर लगभग 1000 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। सीटीआई महासचिव और गोल्ड कारोबारी गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि दिल्ली में सोने चांदी एवं ज्वैलरी सेक्टर में 200 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है ,हालांकि गोल्ड की कीमत बढ़ने से ज्यादातर लोग लाइट वेट जूलरी की डिमांड कर रहे हैं , इसके लिए कारोबारियों ने छोटे छोटे साइज में गोल्ड और डायमंड की जूलरी बनाई है ,इस समय प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 97000 रूपए है जबकि पिछले साल अक्षय तृतीया पर इसकी कीमत 73500 रूपए प्रति 10 ग्राम थी ,सीटीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा, राजेश खन्ना के अनुसार, शादी के खर्च को सामान और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है जिसमें मुख्य रूप से वस्त्र, साड़ियाँ, लहंगे, और अन्य परिधान पर 10%, आभूषण 15%, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली उपकरण, और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 5%, सूखे मेवे, मिठाइयाँ, और स्नैक्स 5%, किराना और सब्जियाँ 5%, उपहार आइटम्स 4% तथा अन्य वस्तुओं पर 6% का अमूमन खर्च होता है, दूसरी ओर शादियाँ सेवा क्षेत्र में बैंक्वेट हॉल, होटल, और शादी के स्थल 5%, इवेंट मैनेजमेंट 3%, टेंट सजावट 10%, केटरिंग एवं सेवाएँ 10%, फूल सजावट 4%, परिवहन और कैब सेवाएँ 3%, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी 2%, ऑर्केस्ट्रा, संगीत आदि 3%, लाइट और साउंड 3% तथा अन्य सेवाएँ 7%, के खर्च के अंदाज से संपन्न होती हैं ।

इन्द्रप्रस्थ संजीवनी ने अपनी नई टीम बनाई, नया सदस्यता अभियान शुरू

दिव्या दिल्ली : दिल्ली प्रसिद्ध सामाजिक संस्था इन्द्रप्रस्थ संजीवनी के अध्यक्ष डॉ संजीव अरोड़ा गंगापुत्र ने वर्ष 2025-26 के लिए अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए संस्था के लिए नए सदस्यता अभियान की शुरूआत की। इन्द्रप्रस्थ संजीवनी के मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए डॉ अरोड़ा ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कई नए चहरों को मौका दिया गया है, जो संस्था में पिछले कई वर्षों से विभिन्न शाखाओं में समर्पित भाव से काम कर रहे थे। नई टीम में महासचिव

के रूप में श्रीमती रश्मि मल्होत्रा, उपाध्यक्ष की सूची में आकाश अरोड़ा, बलवीर सिंह, डॉक्टर बलजिंदर सिंह, जतिन नारंग, सरदार जगदीप सिंह, पूनम कुमारी, प्रतिमा सिंह, रितेश पटवारी, सतेन्द्र चौधरी, संजीव जैन शामिल हैं। जबकि ज्वाइंट सेक्रेटरी के रूप में अमित शर्मा, डिंपल शर्मा, मोनिका जैन, कल्पना मिश्रा, नितीन त्रिवेदी, जतिन मोटवानी, राहुल शर्मा, संजय भारद्वाज, रविंद्र कुमार गुप्ता, विक्रम नारंग को काम करने का मौका दिया गया है। कोषाध्यक्ष के रूप में अमन कालरा हैं। इसके अलावा, एनजीओ की महिला विंग निर्भय वूमेन टीम का संयोजक श्रीमती पवन अरोड़ा एवं यूथ विंग स्वामी विवेकानंद यूथ टीम का संयोजक कुंदन कुमार को बनाया गया है। इस अवसर पर संस्था के पुराने सदस्यों ने नई सदस्यों को मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

चार धाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह, एक दिन में 5177 यात्रियों का पंजीकरण

हरिद्वार

चारधाम यात्रा 2025 को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। पंजीकरण केंद्र हरिद्वार से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को शाम 5 बजे तक कुल 5177 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। सबसे अधिक पंजीकरण केदारनाथ धाम के लिए हुए, जहां 1707 श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा सुनिश्चित की। इसके अलावा यमुनोत्री के लिए 1012, गंगोत्री के लिए 1003 और बद्रीनाथ के लिए 1377 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। हेमकुंड साहिब के लिए आज कोई पंजीकरण नहीं हुआ, जबकि 78 विदेशी पर्यटकों ने चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण कराया।

हरिद्वार के पंजीकरण केंद्रों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई और प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु समुचित प्रबंध किए गए हैं।

शिखर धवन ने इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप की जर्सियों का अनावरण किया, 27 मई से ग्रेटर नोएडा में होगा टूर्नामेंट का आगाज

दिव्या दिल्ली : इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप ने बुधवार को अपनी बहुप्रतीक्षित सीजन की आधिकारिक टीम जर्सियों का अनावरण किया, जो 27 मई से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा।भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट आइकन शिखर धवन ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों परविंदर अवाना, प्रवीण कुमार और इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप के संस्थापक प्रदीप सांगवान के साथ इस जर्सी अनावरण समारोह की शोभा बढ़ाई।शिखर धवन ने इस अवसर पर कहा, ह्यह एक

शानदार पहल है जो दुनिया भर के क्रिकेट लीजेंड्स को एक मंच पर लाती है। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप न केवल लीजेंड्स के जुनून को पुनर्जीवित करती है, बल्कि प्रशंसकों को पुरानी यादों और मनोरंजन का अनूठा मिश्रण भी प्रदान करती है। मैं इस लॉन्च का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और आगामी रोमांचक एक्शन का इंतजार कर रहा हूं। इस अवसर पर खानपुर के विधायक उमेश कुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा, मैं आज उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करता हूं। विशेष रूप से, मैं इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप के संस्थापक प्रदीप सांगवान को बधाई देना चाहता हूं, जो एक शानदार कछछ खिलाड़ी रहे हैं। शुरू में मुझे लगा था कि इस स्तर का आयोजन करना कठिन होगा, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत को देखकर यह स्पष्ट हो गया कि हम इस जर्सी लॉन्च के सफल चरण तक पहुंच गए हैं।ह्वइंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में छह महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह प्रतिष्ठित टीमें हिस्सा लेंगीः अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटन्स (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड), यूरोप ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन टाइगर्स, एशियन एवेंजर्स और इंडियन वॉरियर्स। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा, इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है; यह क्रिकेट की दुनिया को एकजुट करने की क्षमता का उत्सव है। सोनी नेटवर्क के माध्यम से इस आयोजन का प्रसारण करके, हम इस ऐतिहासिक दृश्य को दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों तक पहुंचा रहे हैं। छह महाद्वीपों, छह टीमों और 18 एक्शन से भरपूर मैचों के साथ, इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप खेल की सीमाओं को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है। यह लीग 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित की जा रही है। 27 मई से ग्रेटर नोएडा में जब लीजेंड्स खेल की महिमा के लिए एकजुट होंगे, तो इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनें।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397